राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 212 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार ,23 जनवरी 2021, मूल्य रु. 1.50

सरकार-किसान में नहीं बनी सहमति

नई दिल्ली। केंद्र सरकार और किसानों के बीच शुक्रवार को हुई 11वें दौर की बैठक में भी मुद्दे का कोई समाधान नहीं निकल पाया क्योंकि किसान नेता तीनों नए कृषि कानूनों को पूरी तरह वापस लिए जाने और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी दिए जाने की अपनी मांग पर पहले की तरह अड़े रहे। बैठक के बाद कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि कुछ ताकतें हैं जो नहीं चाहती हैं कि आंदोलन खत्म हो। वहीं, बैठक के पिछले 10 दौर के विपरीत आज 11वें दौर की बातचीत में अगली बैठक की कोई तारीख तय नहीं हो पाई।

मालूम है कि केंद्र द्वारा लाए गए नए कृषि कानूनों के विरोध में लगभग दो महीने से हजारों किसान दिल्ली की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका मानना है कि संबंधित कानून किसानों के खिलाफ तथा कॉरपोरेट घरानों के पक्ष में हैं। सरकार ने आज अपने रुख में कड़ाई लाते हुए कहा कि यदि किसान यूनियन कानूनों को निलंबित किए जाने संबंधी प्रस्ताव पर चर्चा के लिए सहमत हो तो वह दोबारा बैठक करने के लिए तैयार है। इसके साथ ही किसान संगठनों ने कहा कि वे अब अपना आंदोलन तेज करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि बैठक के दौरान सरकार का रवैया ठीक नहीं था।

बैठक के बाद कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा, किसानों के फायदे के लिए संसद में कृषि सुधार विधेयकों को पारित किया गया था। आंदोलन मुख्य रूप से पंजाब के किसानों और कुछ अन्य राज्यों के कुछ किसानों द्वारा किया जा रहा है। सरकार ने आंदोलन खत्म करने के लिए कई प्रस्ताव दिए, लेकिन जब आंदोलन की शुचिता खो जाती है तो कोई समाधान संभव नहीं होता। तोमर ने आगे कहा कि कुछ ताकतें हैं कि जो चाहती हैं कि आंदोलन जारी रहे और कोई भी नतीजा न निकले।

केंद्र सरकार ने पिछले दौर की बैठक में कानूनों को निलंबित रखने तथा समाधान ढूंढ़ने के लिए एक संयुक्त समिति बनाने की पेशकश की थी। किसान नेताओं ने आज की बैठक के बाद कहा कि भले ही बैठक पांच घंटे चली, लेकिन दोनों पक्ष मुश्किल से 30 मिनट के लिए ही आमने-सामने बैठे। बैठक की शुरूआत में ही किसान नेताओं ने सरकार को सूचित किया कि उन्होंने बुधवार को पिछले दौर की बैठक में सरकार द्वारा रखे गए प्रस्ताव को खारिज करने का निर्णय किया है।

कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर सहित तीनों केंद्रीय मंत्रियों ने किसान यूनियनों के प्रतिनिधियों से अपने रुख पर पुनर्विचार करने को कहा जिसके बाद दोनों पक्ष दोपहर भोज के लिए चले गए। किसान नेताओं ने अपने लंगर में भोजन किया जो तीन घंटे से अधिक समय तक चला। भोजन विराम के दौरान 41 किसान नेताओं ने छोटे-छोटे समूहों में आपस में चर्चा की, जबकि तीनों केंद्रीय मंत्रियों ने विज्ञान भवन में एक अलग कक्ष में प्रतीक्षा की। बैठक के बाद भारतीय किसान यूनियन (उग्राहां) के नेता जोगिंदर सिंह उग्राहां ने कहा कि बातचीत टूट गई है क्योंकि यूनियनों ने सरकार के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। मंत्रियों ने किसान यूनियनों से कहा कि उन्हें सभी संभव विकल्प दिए गए हैं और उन्हें कानूनों को निलंबित रखने के प्रस्ताव पर आपस में आंतरिक चर्चा करनी चाहिए।

सूत्रों के अनुसार तोमर ने किसान नेताओं से कहा कि यदि वे प्रस्ताव पर चर्चा करना चाहते हैं तो सरकार एक और बैठक के लिए तैयार है। मंत्री ने यूनियनों का उनके सहयोग के लिए धन्यवाद भी किया और कहा कि हालांकि कानूनों में कोई समस्या नहीं है, लेकिन सरकार ने प्रदर्शनकारी किसानों के सम्मान में इन्हें निलंबित रखने की पेशकश की है। बैठक स्थल से बाहर आते हुए किसान नेता शिवकुमार कक्का ने कहा कि चर्चा में कोई प्रगति नहीं हुई और सरकार ने अपने प्रस्ताव पर यूनियनों से पुनः विचार करने को कहा। कक्का बैठक से जाने वाले पहले व्यक्ति थे, लेकिन उन्होंने कहा कि यह कुछ निजी कारणों की वजह से है।

बुधवार को हुई बातचीत के पिछले दौर में सरकार ने तीनों नए कृषि कानूनों के क्रियान्वयन को स्थगित रखने और समाधान निकालने के लिए एक संयुक्त समिति बनाने की पेशकश की थी। हालांकि बृहस्पतिवार को विचार-विमर्श के बाद किसान यूनियनों ने इस पेशकश को खारिज करने का फैसला किया और वे इन कानूनों को रद्द करने तथा एमएसपी की कानूनी गारंटी दिए जाने की अपनी दो प्रमुख मांगों पर अड़े रहे।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली में शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से वाराणसी में कोविड टीकाकरण अभियान के लाभार्थियों और वैक्सीनेटरों के साथ बातचीत करते हुए।

नड्डा ने दिए यूपी मंत्रिमंडल में विस्तार के संकेत

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर लखनऊ पहुंचे भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने योगी सरकार मंत्रिमंडल के साथ बैठक कर मंत्रियों को जिस तरह से पाठ पढ़ाया, उससे स्पष्ट हो गया है कि योगी मंत्रिमंडल जल्दी ही बड़ा फेरबदल होने वाला है। भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा ने सरकार और संगठन के कामकाज के साथ-साथ समन्वय की तारीफ की, लेकिन मंत्रियों को अपने काम के तौर-तरीके बदलने की सलाह देते हुए यह भी नसीहत दी कि मैं नहीं, हम भाव से टीमवर्क करें।

उन्होंने जिस तरह से मंत्रिमंडल के विस्तार के संकेत दिए, उससे जाहिर होता है कि सूबे में योगी सरकार के कई दिग्गज मंत्रियों की कुर्सी जा सकती है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने योगी मंत्रिमंडल के साथ बैठक में मंत्रियों को खुद का उदाहरण देकर समझाया कि मंत्रिमंडल से बाहर होने पर दुखी नहीं होना चाहिए। उन्होंने योगी के मंत्रियों को इशारों में समझाया कि मंत्रिमंडल से बाहर आने के बाद भी दुनिया खत्म नहीं होती है। नड्डा ने कहा कि मोदी सरकार में जब वह मंत्रिमंडल से बाहर हुए तो लोगों ने उनके बारे में तमाम तरह की बातें कहीं, लेकिन इसके बाद पार्टी ने उन्हें अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भी सौंपी। इसलिए कभी दिल छोटा नहीं करना चाहिए। भाजपा अध्यक्ष ने यह बात ऐसे समय कही है, जब यूपी में योगी सरकार के कैबिनेट विस्तार किए जाने को लेकर चर्चा तेज है। इसके बाद से कयास लगाए जा रहे हैं कि यूपी मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल होने वाला है। कई बड़े नेताओं की मंत्री पद से छुट्टी हो सकती है और उन्हें संगठन की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। योगी सरकार के कैबिनेट विस्तार की चर्चा के बीच सभी की निगाहें पूर्व प्रशासनिक अधिकारी और पीएम नरेंद्र मोदी के करीबी माने जाने वाले अरविंद शर्मा पर लग गई हैं।

संक्षिप्त समाचार

चंचल के निधन पर पीएम ने जताया शोक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश के प्रसिद्ध भजन सम्राट नरेन्द्र चंचल के निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शोक जताते हुए कहा कि अपनी ओजपूर्ण आवाज से उन्होंने भजन गायन की दुनिया में विशिष्ट पहचान बनाई। मोदी ने ट्वीट कर कहा, नरेंद्र चंचल जी के निधन के समाचार से अत्यंत दुख हुआ है। उन्होंने भजन गायन की दुनिया में अपनी ओजपूर्ण आवाज से विशिष्ट पहचान बनाई।

आतंकवादियों ने पुलिस दल पर ग्रेनेड फेंका

जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में आतंकवादियों ने पुलिस दल पर हमला कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि एक पुलिस वाले को मामूली चोट आई है, बाकी सभी अन्य सुरक्षित है। पुलिस ने कहा कि आतंकवादियों ने मुख्य शहर से 15 किमी दूर किश्तवाड़ जिले के चतरो क्षेत्र में जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) के एक वाहन पर ग्रेनेड फेंका।

कार्टून

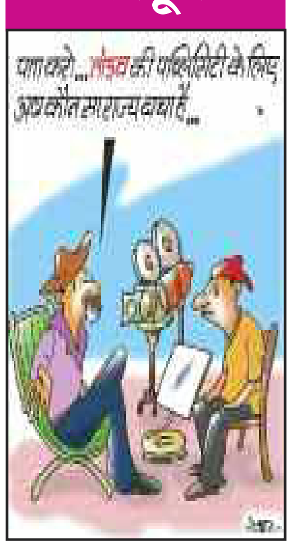

पूर्व जस्टिस रंजन गोगोई को मिली जेड प्लस सुरक्षा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई को जेड प्लस सुरक्षा मुहैया कराई गई है। रंजन गोगोई को देशभर में कहीं भी आने-जाने के लिए जेड प्लस सुरक्षा मिली है। सीआरपीएफ को उन्हें सुरक्षा मुहैया कराने के लिए कहा गया है। अयोध्या विवाद पर फैसला सुनाने से पहले भी तत्कालीन चीफ जस्टिस रंजन गोगोई को जेड प्लस सुरक्षा दी गई थी। बता दें कि जेड प्लस कैटेगरी के लोगों की सुरक्षा का जिम्मा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल यानी सीआरपीएफ करता है और जेड प्लस कैटेगरी की सुरक्षा देश के चुनिंदा लोगों को मिली हुई है। किसे जेड प्लस सुरक्षा दी जानी है, इसका फैसला केंद्र सरकार करती है। खुफिया विभागों से मिली सूचना के आधार पर जेड प्लस और अन्य तरह की सुरक्षा वीआईपी लोगों को दी जाती है। 9 नवंबर 2019 को तत्कालीन चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया रंजन गोगोई और चार अन्य जजों की पीठ ने अयोध्या विवाद पर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया था। पीठ ने विवादित जमीन पर राम मंदिर बनाने का आदेश दिया था।

नहीं रहे मशहूर गायक नरेंद्र चंचल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश के नामी भजन गायकों में शुमार नरेंद्र चंचल का शुक्रवार को दिल्ली के अस्पताल में निधन हो गया। वह पिछले कई महीनों से गंभीर रूप से बीमार चल रहे थे और उनका दिल्ली के सरिता विहार में स्थित अपोलो अस्पताल में इलाज चल रहा था। अस्पताल प्रशासन के सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार दोपहर करीब 12.30 पर उन्होंने अंतिम सांस ली। अस्पताल प्रशासन ने जानकारी दी है कि कि गायक नरेंद्र चंचल 27 नवंबर से अपोलो अस्पताल में भर्ती थे। उनके ब्रेन में क्लोटिंग थी। शुक्रवार दोपहर उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके निधन पर पंजाबी दलेर मेहंदी के साथ-साथ मुंबई फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कलाकारों ने भी उनके निधन पर शोक जताया है। कई दशकों तक अपने माता के भजनों के जरिये लाखों लोगों को भक्तिमय दुनिया में ले जाने वाले नरेंद्र चंचल अपने पीछे दो बेटे औ एक बेटी छोड़ गए हैं। अमृतसर (पंजाब) में 16 अक्टूबर, 1940 को जन्में नरेंद्र चंचल ने दिल्ली में आकर यहां बसे और यहीं के होकर रह गए, लेकिन उन्होंने देश के साथ विदेशों में अपने भजनों के जरिये नाम कमाया। हिंदी फिल्मों में भी कई मशहूर गीतों को अपनी आवाज देने वाले नरेंद्र चंचल को माता के भजनों के लिए ही जाना जाता है। दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में उनका बड़ा नाम था। नरेंद्र चंचल की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अमिताभ बच्चन से लेकर शोमैन राजकूपर की फिल्मों के लिए भी गाने गाए। अमिताभ बच्चन अभिनीत बेनाम फिल्म में गाया गाना आज भी लोग खूब पसंद करते हैं। इस फिल्म के गाने में नरेंद्र चंचल भी नजर आए थे। वहीं, राजेश खन्ना और शबाना आजमी अभिनीत फिल्म अवतार में महेंद्र कपूर और आशा भोंसले के साथ नरेंद्र चंचल का चलो बुलाया आया है गीत सबसे मशहूर माता की भेंटों में शुमार है।

व्यक्तिगत हमलों से दुखी होकर वन मंत्री के पद से इस्तीफा दिया : राजीव बनर्जी

कोलकाता, (एजेंसी)। बंगाल में ममता बनर्जी मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने वाले तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजीव बनर्जी ने कहा कि पार्टी नेताओं के एक धड़े के खिलाफ आवाज उठाने पर उनके खिलाफ हो रहे व्यक्तिगत हमलों से बेहद आहत होकर वन मंत्री के पद से इस्तीफा दिया है। उन्होंने राज भवन में राज्यपाल जगदीप धनखड़ से मुलाकात के बाद कहा, पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं से मुझे कुछ शिकायतें थीं और मैंने पार्टी नेतृत्व को इसके बारे में बता दिया था। पार्टी प्रमुख के साथ मेरी बात भी हुई थी, लेकिन कुछ नहीं हुआ। बल्कि नेताओं के एक धड़े ने मुझ पर व्यक्तिगत हमले करना शुरू कर दिया।

उन्होंने कहा, मैं व्यक्तिगत हमले से बेहद आहत हुआ, इसके बाद मैंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। दोमजूर से विधायक ने कहा कि जब उन्हें बिना नोटिस के सिंचाई मंत्री के पद से हटाया गया था तब भी उन्होंने मंत्रिमंडल छोड़ने का फैसला किया था, लेकिन तब मुख्यमंत्री ने मुझे ऐसा करने से रोक दिया था। बनर्जी ने मुख्यमंत्री का शुक्रिया अदा कर कहा कि राज्य की जनता की सेवा करने का मौका देने के लिए वह सदैव उनके ऋणी रहूंगा।

बातचीत के नाम पर असंवेदनशीलता और अहंकार दिखा रही सरकार : सोनिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में आरोप लगाया कि सरकार ने किसान संगठनों के साथ बातचीत के नाम पर हैरान करने वाली असंवेदनशीलता और अहंकार दिखाया है। सोनिया ने कहा, एक सप्ताह में संसद सत्र आरंभ होने वाला है, यह बजट सत्र है, लेकिन जनहित के कई मुद्दे हैं जिन पर पूरी तरह चर्चा करने की जरूरत है। क्या सरकार इन मुददों पर चर्चा करने के लिए सहमत होती है, यह देखना होगा। केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन का उल्लेख कर आरोप लगाया, किसानों का आंदोलन जारी है और सरकार ने बातचीत के नाम पर हैरान करने वाली असंवेदनशीलता और अहंकार दिखाया है।

सोनिया ने कहा, यह स्पष्ट है कि कानून जल्दबाजी में बने और संसद को इनके प्रभावों का आकलन करने का अवसर नहीं दिया गया। हम इन कानूनों को खारिज करते हैं, क्योंकि ये खाद्य सुरक्षा की बुनियादों को ध्वस्त कर देने वाले है। उन्होंने अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर भी सरकार पर निशाना साधकर कहा कि सरकार निजीकरण को लेकर हड़बड़ी में है। दूसरी ओर किसान आंदोलन को लेकर कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष के बयान पर सोनिया गांधी के बयान पर भारतीय जनता पार्टी के नेता शहनवाज हुसैन ने कहा कांग्रेस आग में घी डालने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों और सरकार के बीच बात चल रही है कांग्रेस बीच मे कौन होती है। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव को लेकर एक सवाल पर हुसैन ने कहा कि कांग्रेस में एक ही परिवार का अध्यक्ष होना है कभी भी बना लीजिए, ये पार्टी नहीं परिवार का अंदरूनी मामला है।

आतंकी हमले की धमकी के बाद हाई अलर्ट पर दिल्ली

नई दिल्ली, (संवाददाता)। गणतंत्र दिवस पर हर साल की तरह इस बार भी दिल्ली पर आतंकी हमले का खतरा मंडरा रहा है। इस बीच आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस ने दिल्ली की बिजली काटने की धमकी दी है। इसके बाद दिल्ली पुलिस के साथ खुफिया एजेंसी भी सतर्क हो गई हैं। दिल्ली पुलिस ने गणतंत्र दिवस समारोह के चलते जगह-जगह सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। मॉल, सिनेमा हॉल के साथ दिल्ली के बड़े बाजारों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। खासकर बाहरी राज्यों से आने वाले लोगों की जांच-पड़ताल की जा रही है। गणतंत्र दिवस की परेड की रिहर्सल के मद्देनजर दिल्ली में भारी वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी रहेगी। ऐसा सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर किया गया। किसान आंदोलन के चलते दिल्ली के ज्यादातर बॉर्डर सील हैं, ऐसे में यहां पर सुरक्षा बलों की संख्या को बढ़ाया गया है। असामाजिक तत्वों पर खास नजर रखी जा रही है। दिल्ली का माहौल बिगाड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई का निर्देश पुलिस कमिश्नर की ओर से पहले ही दिया जा चुका है। इसी तरह 25 जनवरी को भी रात 8 बजे के बाद भारी वाहनों को दिल्ली में जाने की अनुमति नहीं है। यातायात पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, 26 जनवरी को राजपथ पर मुख्य परेड का आयोजन किया जाना है। इससे पूर्व 23 जनवरी को परेड की रिहर्सल होनी है। इसके चलते शुक्रवार को रात आठ बजे से परेड समाप्त होने और सोमवार (25 जनवरी) रात आठ बजे से मंगलवार (26 जनवरी) दोपहर परेड समाप्त होने तक दिल्ली में भारी वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक देश विरोधी संगठनों द्वारा हर बार इस प्रकार के प्रयास किए जाते हैं, लेकिन पुलिस उनके मंसूबे को कामयाब नहीं होने देगी। पुलिस इन मामलों पर नजर रखे हुए है और दिल्ली की सुरक्षा चाक चौबंद है। अभी तक पुलिस ने कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया है। यहां पर बता दें कि ब्रिटेन से लोगों के पास रिकॉर्ड फोन कॉल आ रही है। इसमें खालिस्तानी संगठन द्वारा आतंकी हमले की बात बताकर लोगों को 26 जनवरी के दिन घर से निकलने से मना किया जा रहा है। सोमवार को प्रदर्शनकारी पंजाब के किसानों के पास एक वीडियो आया, जिसमें उन्हें गणतंत्र दिवस पर उकसाने की कोशिश की गई है। इस वीडियो में एसएफजे के प्रमुख व आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कहा है- बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड और बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड दिल्ली को बिजली प्रदान करती हैं। इस कंपनी का मालिक अंबानी है। नए कृषि कानून से इस कंपनी को ही ज्यादा फायदा होगा। ऐसे में किसान 25 और 26 जनवरी के दिन दिल्ली की बिजली काट दें, जिससे राजधानी में अंधेरा फैल जाए और सरकार किसानों की मांग मांगने को मजबूर हो।

वाशिंगटन में राष्ट्रपति जो बाइडेन के सत्ता संभालने के दूसरे दिन भी कैपिटल हिल के बाहर गश्त करते हुए नेशनल गार्ड।

कट्टरपंथियों ने ध्वस्त कर दिया हिन्दू मंदिर मूकदर्शक बनी रही पाकिस्तान सरकार : भारत

न्यूयार्क, (एजेंसी)। पाकिस्तान में हिंदू अल्पसंख्यकों के साथ अमानवीयता और भेदभाव की खबरें कोई नई बात है लेकिन अब यहां कट्टरपंथियों के हौसले इतने बुलंद है कि वे यहां हिंदुओं के धार्मिक स्थलों को क्षति पहुंचाने से भी बाज नहीं आ रहे हैं। यहां एर हिंदू मंदिर को एक मौलवी की अगुवाई में कट्टरपंथियों द्वारा ध्वस्त करने के मुद्दे को भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पुरजोर तरीके से उठाया है। भारत ने कहा कि दुनिया में आतंकवाद, हिंसात्मक अतिवाद, कट्टरपंथ और असहिष्णुता बढ़ रही है। इससे धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत स्थलों को आतंकी गतिविधियों और विनाश का खतरा उत्पन्न हो गया है। भारत ने कहा कि इसका ताजा उदाहरण हाल ही में पाकिस्तान में देखने को मिला जहां पर एक ऐतिहासिक हिंदू मंदिर को तोड़ दिया गया और इमरान खान सरकार मूकदर्शक बनी रही। पाकिस्तान अक्सर मुसलामानों को लेकर संयुक्त राष्ट्र में भारत को घेरने की कोशिश करता रहता है लेकिन अब भारत ने उसे सिखों और हिंदुओं पर जारी अत्याचार की लिस्ट गिना दी। भारत ने कहा, अफगानिस्तान में कट्टरपंथियों द्वारा भगवान बुद्ध की मूर्तियां तोड़े जाने की याद आज भी हमारे जेहन में बनी हुई है। आतंकियों ने अफगानिस्तान में सिखों के गुरुद्वारे पर कायराना हमला किया जिसमें 25 श्रद्धालु मारे गए। यह इस खतरे का एक और उदाहरण है। हाल ही में पिछले महीने ही पाकिस्तान के करक में एक हिंदू मंदिर को भीड़ ने आग लगा दी जो वहां के प्रशासन के स्पष्ट समर्थन से किया गया। जब मंदरि को गिराया जा रहा था, उस समय वहां का प्रशासन मूकदर्शक बनकर खड़ा हुआ था।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र से कहा कि उसे और यूएन अलायंस ऑफ सिवलिाइजेशन को जब तक चयनात्मकता बची हुई है, किसी का पक्ष नहीं लेना चाहिए। भारत ने कहा कि हमें उन ताकतों के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना होगा जो कपटपूर्वक संवाद को हटाती हैं और शांति की जगह घृणा और हिंसा भरती हैं। बता दें कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक कट्टरपंथी इस्लामिक पार्टी के सदस्यों के नेतृत्व में भीड़ ने एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की थी और उसमें आग लगा दिया था।

इस मंदिर में एक हिंदू धार्मिक नेता की समाधि थी। मंदिर की दशकों पुरानी इमारत के जीर्णोद्धार के लिए हिंदू समुदाय ने स्थानीय अधिकारियों से अनुमति ली थी। कुछ स्थानीय मौलवियों और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम पार्टी (फजल उर रहमान समूह) के समर्थकों की अगुवाई में भीड़ ने पुराने ढांचे के साथ-साथ नए निर्माण कार्य को ध्वस्त कर दिया। मानवाधिकार कार्यकताओं और अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के नेताओं ने मंदिर पर हमले की कड़ी निंदा की थी। इसके बाद पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट सख्त रुख अपनाया और मंदिर को फरि से बनाने का आदेश दिया था। भारत ने भी मंदिर में तोड़फोड़ की घटना को लेकर पाकिस्तान के समक्ष विरोध दर्ज कराया था और इस घटना के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की थी। राजनयिक माध्यम से पाकिस्तान के समक्ष विरोध दर्ज कराया गया था। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की घटना को लेकर भारत के विरोध को पूरी तरह से अनुचित करार दिया था।

पीएम मोदी ने पेश की सहयोग की बेहतरीन मिसाल : बांग्लादेश

ढाका, (एजेंसी)। भारत सरकार द्वारा पड़ोसी देश बांग्लादेश को कोरोना वैक्सीन उपलब्ध कराने के लिए वहां के विदेश राज्य मंत्री मोहम्मद शहरयार आलम ने पीएम मोदी की प्रशंसा की है। आलम ने कहा कि दक्षिण एशिया को क्षेत्रीय स्तर पर सहयोग करने की जरुरत है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत सरकार ने भारत के पड़ोसी देशों को टीका उपलब्ध करा कर बेहतरीन उदाहरण पेश किया है। वेबीनार के दौरान आलम ने कहा कि दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) आशाओं पर खरा नहीं उतर रहा है और उन्होंने बिम्स्टेक को लेकर आशा जताई। मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि बांग्लादेश और भारत अपने द्विपक्षीय संबंधों के सुनहरे अध्याय में हैं।

बांग्लादेश से वीडियो कांफ्रेंस में आलम ने नदी जल के बंटवारे, बंगाल की खाड़ी से जुड़े मुद्दों और सीमा पर होने वाली घटनाओं को पूरी तरह समाप्त करने सहित लंबित मामलों पर साथ मिलकर काम करने की बात कही। विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन द्वारा आयोजित वेबीनार में उन्होंने कहा कि कोविड-19 से ना सिर्फ हमारे आपसी संबंधों और एक-दूसरे पर निर्भरता का पता चला है, बल्कि इससे हमारी कमजोरियां भी सामने आई हैं। चुनौती भरे समय में एकता और एकजुटता हमारे जीवन के सिद्धांत होने चाहिए। यह सभी द्वारा ठोस और लीक से हटकर कदम उठाने का वक्त है।

आलम ने कहा कि बांग्लादेश को लगता है कि दक्षिण एशिया के देशों को क्षेत्रीय स्तर पर ऐसे ही सहयोग करने की जरुरत है और यह बेहतरीन उदाहरण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत सरकार ना सिर्फ बांग्लादेश को बल्कि पूरे दक्षिण एशियाई पड़ोसियों को टीका उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान भारत द्वारा टीका, दवाएं और अन्य मेडिकल उपकरण मुहैया कराए जाने से जुड़ी सहायता की बांग्लादेश तारीफ करता है। आलम ने कहा कि महामारी के दौरान प्रधानमंत्री मोदी सरकार की सहायता के लिए बांग्लादेश उनका आभारी है। भारत ने सहायता के रूप में बांग्लादेश को कोविड-19 टीके की 20 लाख से ज्यादा खुराक भेजी हैं। आलम ने कहा कि बांग्लदेश की एक फर्म ने टीके के संबंध में पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के साथ करार किया है।

ट्विटर ने अमेरिका स्थित चीनी दूतावास का अकाउंट लॉक किया

वाशिंगटन, (एजेंसी)। सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्विटर ने तय नियमों का उल्लंघन करने के मामले में भड़काऊ और नफरत फैलाने वाले अकाउंट्स पर कार्रवाई अब शुरू कर दी है। इस कड़ी में ट्विटर ने अमेरिका स्थित चीनी दूतावास का ट्विटर अकाउंट बंद (लॉक) कर दिया है। दूतावास ने शिनजियांग के उइगर महिला के मामले में अपनी नीति का बचाव करने संबंधी ट्वीट किया था। ट्विटर ने अमेरिका स्थित चीनी दूतावास के अकाउंट को लॉक कर दिया, क्योंकि इसमें दावा किया गया था कि चीन के शिनजियांग प्रांत में उइगर महिलाओं की सोच बंधनों से मुक्त हो गई है और अब वह सिर्फ बच्चा पैदा करने वाली मशीन नहीं हैं। ट्विटर के प्रवक्ता ने कहा कि हमने 7 जनवरी के एक ट्वीट पर एक्शन लिया, जिसमें अमानवीयकरण के खिलाफ हमारी नीति का उल्लंघन किया गया था। ट्विटर के अधिकारी ने कहा कि किसी भी धर्म, जाति और नस्ल के बारे में अमानवीय टिप्पणी कंपनी की नीति के खिलाफ है। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि इस मामले में कुछ भ्रम की स्थिति हुई है। गौरतलब है कि चीन पर लगातार शिनजियांग प्रांत में उइगरों के साथ अमानवीय व्यवहार करने का आरोप लगता रहा है। संयुक्त राष्ट्र के एक पैनल की रिपोर्ट में कहा जा चुका है कि चीन ने अलग-अलग डिटेंशन कैंपों में 10 लाख से ज्यादा उइगरों को बंद कर रखा है और उन्हें वहां यातनाएं देता है।

बाइडन ने अमेरिका आने वाले सभी लोगों के लिए अनिवार्य किया कोरोना परीक्षण और पृथकवास

वाशिंगटन, (एजेंसी)। कोरोना की चुनौती से निपटने के लिए अमेरिका के नवनियुक्त राष्ट्रपति जो बाइडन ने अनेक कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए हैं। नए आदेश में उन्होंने विदेशों से आने वाले लोगों के लिए कोरोना वायरस की जांच तथा पृथकवास अनिवार्य कर दिया है। बाइडन ने इन आदेशों पर हस्ताक्षर करने के बाद व्हाइट हाउस के एक कार्यक्रम में कहा कि सभी लोगों को मास्क पहनना होगा। इसके अलावा जो भी दूसरे देशों से अमेरिका आ रहे हैं, उन सभी लोगों को विमान पर सवार होने से पहले, अमेरिका के लिए रवाना होने से पहले कोरोना जांच करवानी होगी तथा अमेरिका आने पर पृथक-वास में रहना होगा।

उन्होंने कहा हमारी राष्ट्रीय योजना में युद्धस्तर पर काम शुरू किया जा रहा है, जिससे कि उत्पादन बढ़ाकर आपूर्ति में कमी को दूर किया जा सके चाहे यह रक्षात्मक उपकरण की हो, सीरिंज या सुईयां जैसी सामान्य चीजें हों। जब मैं युद्धकाल कहता हूं तो लोग हैरानी से देखते हैं। कल रात तक 4,00,000 अमेरिकियों की जान चली गई और यह दूसरे विश्व युद्ध से ज्यादा है।

उन्होंने कहा कि अगले महीने मृतकों की संख्या 5,00,000 से भी अधिक होने की आशंका है तथा कोरोना वायरस के मामले भी बढ़ते रहेंगे। बाइडन ने कहा हम इससे रातोरात नहीं निपट सकते, चीजों को बदलने में कई माह का समय लगेगा, लेकिन हम इससे उबर जाएंगे, इस महामारी को हरा देंगे और कार्रवाई का इंतजार कर रहे राष्ट्र से मैं साफ कर देना चाहता हूं कि मदद इस दिशा में बढ़ रही है। कोरोना पर राष्ट्रीय रणनीति तथा महामारी को हराने के लिए कार्यकारी कदमों के बारे में जानकारी देते हुए बाइडन ने कहा कि यह योजना उनके उन विचारों को प्रतिबंबित करती है जो उन्होंने प्रचार अभियान के दौरान सामने रखे थे और बीते तीन महीने में इनमें और भी बदलाव किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय रणनीति व्यापक एवं विस्तृत है और यह राजनीति और इनकार पर नहीं, बल्कि विज्ञान और सच्चाई पर आधारित है। बाइडन ने कहा कि योजना की शुरूआत में सुरक्षित एवं प्रभावी टीकाकरण अभियान को आक्रामक तरीके आगे बढ़ाना है और प्रशासन के पहले 100 दिन में 10 करोड़ लोगों के टीकाकरण का लक्ष्य हासिल करना है। उन्होंने एक अन्य आदेश पर भी हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें रक्षा उत्पादन अधिनियम तथा अन्य उपलब्ध प्राधिकारियों का इस्तेमाल करते हुए सभी संघीय एजेंसियों एवं निजी उद्योगों को यह निर्देश दिया जाएगा कि वे सुरक्षा, जांच और टीकाकरण के लिए जो कुछ भी जरूरी है उसके उत्पादन को बढ़ाएं।

चीन बुजुर्गों से पहले बच्चों को लगा रहा वैक्सीन

बीजिंग, (एजेंसी)। कोरोना महामारी के खिलाफ दुनिया में जारी जंग में इसका वैक्सीन ही सबसे बड़ा हथियार है। भारत के अलावा कई अन्य देशों में भी वैक्सीनेशन प्रोग्राम शुरू हो गए हैं। लगभग हर जगह यह काम अलग-अलग चरणों में किया जा रहा है। खास बात है कि कई जगह वैक्सीन लगाने के मामले में स्वास्थ्य कर्मियों के बाद बुजुर्गों और बीमार लोगों को तरजीह देने की बात कही जा रही है। लेकिन वुहान के शोधकताओं ने इस बात पर संदेह जताया है। विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चों को भी पहले वैक्सीन दी जानी चाहिए, क्योंकि वे बुजुर्गों से ज्यादा तेजी से वायरस फैला सकते हैं। ताजा प्रकाशित अध्ययन में दावा किया गया है कि बच्चे वायरस को काफी तेजी से फैला सकते हैं। इस स्टडी में शामिल 20 हजार से ज्यादा परिवारों पर की गई है। जिसमें वुहान सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन यानि सीडीसी की तरफ से पुष्टि किए गए कोरोना के लक्षण और एसिम्प्टोमैटिक लोगों को शामिल किया गया था। शोधकताओं की मकसद इस स्टडी के जरिए यह जानना था कि घरों में सीर्स-2 फैलाने का खतरा किससे सबसे ज्यादा हो सकता है।

वहीं, इस अध्ययन से मिली जानकारी के आधार पर रिसर्चर्स ने कहा कि भले ही बच्चों को कोरोना वायरस की चपेट में आने का खतरा कम है, लेकिन बुजुर्गों के मुकाबले ये ज्यादा तेजी से वायरस फैला सकते हैं। ऐसे में पात्र बच्चों और उनकी देखभाल करने वालों को पहले वैक्सीन दी जानी चाहिए। चूंकि बच्चे वायरस को ज्यादा तेजी से फैला सकते हैं, इसी के चलते जानकारों ने स्कूलों को दोबारा खोले जाने को लेकर भी चिंता जताई है।

आर्थिक रूप से बदहाल पाकिस्तान के सामने सस्ते दामों में कोविड वैक्सीन खरीदने की चुनौती

कराची, (एजेंसी)। आर्थिक रूप से बदहाल हो चुके पाकिस्तान के सामने कोविडरोधी वैक्सीन को खरीदने का भी संकट खड़ा है। प्रधानमंत्री इमरान खान के कोविड-19 की वैक्सीन की खरीद में तेजी लाने के निर्देश के बाद पाकिस्तान कशमकश की स्थिति से गुजर रहा है कि वह कैसे लाखों लोगों के लिए वैक्सीन का इंतजाम करे। पड़ोसी देशों जैसे बांग्लादेश से कहीं उलट पाकिस्तान ने वैक्सीन खरीदने के लिए विदेशी वैक्सीन निमार्ताओं को अग्रिम आदेश नहीं दिए। पाकिस्तान के पास विकसित वैक्सीन उद्योग नहीं है और अब अफसर काफी अधिक कीमतों पर वैक्सीन डोज प्राप्त करने की संभावना के साथ जूझ रहे हैं। मंगलवार को इमरान खान ने वैक्सीन की जल्द खरीद के लिए कैबिनेट कमेटी को निर्देश दिए। यह बात पाकिस्तान के नियामक प्राधिकरण ने एस्ट्राजेनेका वैक्सीन के आपातकालीन उपयोग और चीन द्वारा संचालित चाइना नेशनल फार्मास्युटिकल ग्रुप द्वारा बनाए गए साइनोफार्म वैक्सीन को मंजूरी देने के कुछ दिनों बाद सामने आई। दिसंबर की शुरूआत में, पाकिस्तान ने वैक्सीन को खरीदने के लिए 15 करोड़ डॉलर मंजूर किए थे। ताकि शुरूआत में आबादी के 5 प्रतिशत लोगों का वैक्सीनेशन हो सके, इसमें फ्रंट लाइन वर्कर्स और 65 वर्ष आयु से अधिक के लोगों को शामिल किया जा सके। इससे एक माह पहले ही बांग्लादेश के दवा निमार्ता बेक्सिम्को फार्मा ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को कोवीशील्ड के 3 करोड़ डोज उपलब्ध कराने के संबंध में एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे।

ये खुराकें भारत द्वारा बांग्लादेश को उपहार के तौर पर दी गईं 20 लाख खुराकों के अतिरिक्त होंगी। वैक्सीन को देने के संबंध में पाकिस्तान के खास सहयोगी चीन द्वारा कोई घोषणा नहीं की है। भारत के साथ अपने अशांत संबंधों के अलावा महामारी जैसे मुद्दों पर भी सहयोग न करने की इच्छा वाले पाकिस्तान ने वैक्सीन को लेकर भारत से अब तक कोई सहयोग नहीं मांगा है। यह जानकारी कुछ लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर दी। भारत अनुदान सहायता के रूप में जिन देशों को वैक्सीन उपलब्ध करा रहा है, उनमें भी पाकिस्तान का नाम नहीं है। यह सूची में भूटान, नेपाल, मॉरीशस और सेशल्स शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अब पाकिस्तान को प्रति डोज के लिए 6 से 7 डॉलर अतिरिक्त देने पड़ सकते हैं। वहीं यह तय नहीं है कि वैक्सीन उन्हें कब मिल सकेगा। मालूम हो कि पाकिस्तान ने अब तक लगभग 5,30,000 कोविड-19 मामले और 11,000 से अधिक मौतें दर्ज की हैं।

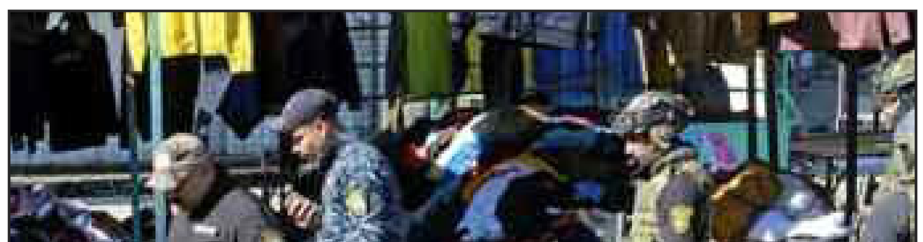

बगदाद में बम धमाके के स्थल पर तलाशी लेते हुए सुरक्षाकर्मी।

इंडोनेशिया में विमान हादसे में मृत एक व्यक्ति को पुष्प अर्पित करते हुए उसके रिश्तेदार।

राष्ट्रपति रहते चुनाव हारने वाले चौथे राष्ट्रपति बने ट्रंप

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हाल में संपन्न राष्ट्रपति चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप को करारी शिकस्त दी। इस तरह द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद ट्रंप चौथे ऐसे राष्ट्रपति बन गए जो मौजूदा राष्ट्रपति रहते हुए दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव नहीं जीत सके।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश जिन्हें लोग सीनियर बुश के नाम से जानते हैं, 1992 के राष्ट्रपति चुनावों में अपनी कुर्सी बचाने में नाकाम रहे थे। डेमोक्रेटिक पार्टी के बिल क्लिंटन से उन्हें इस चुनाव में हार मिली थी। हालांकि आठ साल के दो कार्यकाल के बाद क्लिंटन को सीनियर बुश के बेटे जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने ही हार का स्वाद चखाया था। अमेरिका के इतिहास में बुश पिता-पुत्र की जोड़ी दूसरी ऐसी जोड़ी है जिन्होंने राष्ट्रपति पद संभाला है।

सीनियर बुश का कार्यकाल सोवियत संघ के विघटन के साथ ही शीत युद्ध की समाप्ति के लिए याद किया जाता है। मानवधिकार कार्यों के लिए जीवन समर्पित करने वाले

नोबल शांति पुरस्कार से सम्मानित अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिम्मी कार्टर भी लगातार दूसरी बार अपनी गद्दी बचाने में नाकाम रहे थे। सन 1980 के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार रोनाल्ड रीगन से उन्हें भारी हार का सामना करना पड़ा। उन्हें मात्र 49 इलेक्ट्रोरल वोट मिले जबकि उनके प्रतिद्वंदी रीगन को 489।

कार्टर का कार्यकाल पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना को मान्यता देने, इजरायल और मिस्त्र के बीच शांति समझौता कराने के लिए जाना जाता है। वाटरगेट स्कैंडल में नाम आने के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को गद्दी छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। इसके बाद गेराल्ड फोर्ड अमेरिका के 38वें राष्ट्रपति बने। राष्ट्रपति चुनाव लड़े बिना प्रेसिडेंट बनने वाले गेराल्ड फोर्ड को 1976 के राष्ट्रपति चुनावों में जिमी कार्टर से शिकस्त मिली। द्वितीय विश्वयुद्ध से पहले 1930 के दौर में आई महामंदी से अमेरिका और दुनिया को बाहर निकालने वाले 32वें राष्ट्रपति फ्रेंकलिन डी रुजवेल्ट ने चार राष्ट्रपति चुनाव में विजय दर्ज की। साल 1945 में अपनी मृत्यु तक वह इसी पद पर बने रहे। अमेरिका के इतिहास में इतने लंबे समय तक राष्ट्रपति पद पर रहने वाले वह इकलौते व्यक्ति हैं।

रानीखेड़ा टेक्नोलॉजी पार्क का जल्द शुरू होगा विकास कार्य

पहले चरण का विकास कार्य मई 2023 तक पूरा किए जाने की समय सीमा तय

नई दिल्ली, प्रफुल्ल राय(शिवालिक)। अरविंद केजरीवाल सरकार द्वारा मुंडका के रानीखेड़ा में प्रस्तावित टेक्नोलॉजी पार्क को विकसित करने का कार्य मई-2021 में शुरू हो जाएगा। दो चरणों में विकसित किए जा रहे इस पार्क के पहले चरण कार्य 2023 और दूसरे चरण का कार्य 2025 में पूरा कर लिया जाएगा।

डीएसआईआईडीसी का कहना है कि पार्क के विकसित होने के बाद 1.5 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और 13.5 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष तरीके से रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने डीएसआईआईडीसी अधिकारियों को रानीखेड़ा टेक्नोलॉजी पार्क को विकास करने कार्य तय समय सीमा के अंदर पूरा करने का निर्देश दिया है और इससे संबंधित टेंडर आदि प्रक्रिया की कार्रवाई भी यथाशीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, सीएम ने डीएसआईआईडीसी के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन औद्योगिक क्षेत्रों में ड्रेनेज और सड़क आदि का पुनर्विकास कार्य चल रहा है, उसे भी समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। केजरीवाल ने आज अपने आवास पर रानीखेड़ा टेक्नोलॉजी पार्क को विकसित करने और औद्योगिक क्षेत्रों में चल रहे पुनर्विकास कार्य की समीक्षा के लिए आयोजित उच्च स्तरीय बैठक के दौरान डीएसआईआईडीसी

के अधिकारियों को यह दिशा-निर्देशा दिए। इस दौरान दिल्ली के उद्योग मंत्री सत्येंद्र जैन भी मौजूद रहे।

मई 2021 में शुरू होगा विकास कार्य

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को अपने आवास पर नई औद्योगिक पॉलिसी के तहत बनाए जा रहे रानीखेड़ा टेक्नोलॉजी पार्क को विकसित करने और डीएसआईआईडीसी में चल रहे पुनर्विकास कार्य को लेकर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में दिल्ली के उद्योग मंत्री सत्येंद्र जैन और डीएसआईआईडीसी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। डीएसआईआईडीसी के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के समक्ष टेक्नोलॉजी पार्क और विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में किए जा रहे पुनर्विकास कार्यों को लेकर विस्तार से प्रोजेक्ट प्रजेंटेशन दिया। अधिकारियों ने सबसे पहले रानीखेड़ा टेक्नोलॉजी पार्क को विकसित करने को लेकर प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि रानीखेड़ा टेक्नोलॉजी पार्क बनाने के लिए संबंधित सरकारी विभागों से सभी जरूरी एनओसी मिल चुकी है, जिसमें बिल्डिंग की उंचाई, फायर, निर्माण कार्य, ड्रेनेज, सीवेज आदि का एनओसी शामिल है। डीएसआईआईडीसी के अधिकारियों ने बताया कि नई औद्योगिक पॉलिसी के तहत रानीखेड़ा टेक्नोलॉजी पार्क अपनी तरह का यह इकलौता पार्क होगा। यह टेक्नोलॉजी पार्क दो चरणों में बनाया जाना है। इसके पहले चरण का निर्माण कार्य आगामी मई 2021 में शुरू हो जाएगा। इसके लिए टेंडर की प्रक्रिया जल्द शुरू होने जा रही है। निर्माण कार्य शुरू करने से संबंधित सभी तैयारियां तेजी से पूरी की जा रही हैं और पहले चरण का कार्य मई 2023 तक पूरा कर लिया जाएगा।

लंबित पुनर्विकास कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को डीएसआईआईडीसी के अधिकारियों ने दिल्ली के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में किए जा रहे पुनर्विकास कार्यों की भी विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कई औद्योगिक क्षेत्रों में पुनर्विकास और रख-रखाव का कार्य चल रहा है। इसमें ओखला औद्योगिक क्षेत्र फेस-2, मंगोलपुरी औद्योगिक एरिया, मायापुरी औद्योगिक क्षेत्र, उद्योग नगर औद्योगिक क्षेत्र, पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र, झिलमिल औद्योगिक क्षेत्र, झंडेवालान औद्योगिक क्षेत्र, लॉरेंस रोड औद्योगिक क्षेत्र, कीर्ति नगर औद्योगिक क्षेत्र, जीटीके रोड औद्योगिक क्षेत्र और भोरगढ़ औद्योगिक क्षेत्र बवाना फेस-2 शामिल है। इन औद्योगिक क्षेत्र में ड्रेनेज और रोड की मरम्मत आदि कार्य किए जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि कोविड के चलने औद्योगिक क्षेत्रों में चल रहे पुनर्विकास कार्य प्रभावित हुए थे। बाद में इन विकास कार्यों को पूरा करने के लिए नई समय सीमा निर्धारित की गई है। केजरीवाल ने नई डेड लाइन के अंदर सभी विकास कार्य को पूरा करने का निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी औद्योगिक क्षेत्रों में जो भी विकास कार्य लंबित हैं, उन्हें नई डेडलाइन के अंदर अवश्य पूरा कर लिया जाए।

क्यूआर कोड स्कैन कर 77 लाख की ठगी करने वाला गिरफ्तार

(रविशंकर तिवारी)

नई दिल्ली। राजस्थान में बैठकर दिल्ली के लोगों से साथ साइबर ठगी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से दो स्मार्ट फोन, दो कार्ड स्वैपिंग मशीन, एक रबर स्टैंप, पांच चेकबुक, तीन डेबिट कार्ड और 2.3 लाख रुपए नगद बरामद किए गए हैं। आरोपी असफ खान राजस्थान में ई-मित्र का काम करता था और वहीं का रहने वाला था। पुलिस उपायुक्त राजेन्द्र प्रसाद मीणा ने बताया कि 24 अप्रैल 2020 को तेजेन्द्र चतुर्वेदी नाम के पीड़ित ने बीस हजार रुपए की साइबर ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित ने बताया कि उसे उसकी पत्नी के रिश्तेदार बताकर एक युवक ने फोन किया और उनकी पत्नी को 20 हजार रुपए ट्रांसफर करने की बात कही। इस दौरान युवक ने एक क्यूआर कोड़ पीड़ित के फोन पर भेजा जिसे स्कैन करते ही पीड़ित के खाते से 20 हजार रुपए निकल गए। पीड़ित की शिकायत पर कार्रवाई के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि काल किया गया

2.3 लाख रुपए बरामद किए

नंबर राजस्थान में सक्रिय है। लंबे सर्विलांस जांच और सीडीआर निरीक्षण के बाद टीम को बैंक खाते तक पहुंचने में सफलता मिली। बैंक खाता अलवर जिले में रहने वाले हसन मोहम्मद के नाम पर था, जिससे पीओएस मशीन से असफ खान द्वारा नियमित तौर पर रकम निकाली जाती थी। सायबर सेल के इंस्पेक्टर संदीप पंवार, एसआई गौरव की टीम ने ने राजस्थान से असफ को गिरफ्तार किया। आरोपी ने बताया कि वह राजस्थान सरकार की ई-मित्र योजना के तहत काम करता है। जो कि लोगों को इंटरनेट संबंधी मदद और खातों में रुपये ट्रांसफर का काम करता है। आरोपी के खाते से जून 2020 से लेकर अक्टूबर 2020 के बीच 77 लाख रुपए से अधिक का लेनदेन हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा ने लगाया आप विधायक पर कार्यक्रम में बाधा डालने का आरोप

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली नगर निगम के कल्याणपुरी वार्ड में शुक्रवार को चार डंपर गाड़ियों का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन के अवसर पर स्थाई समिति के चेयरमैन सतपाल, शाहदरा जिले की चेयरपर्सन भावना मलिक,

उप महापौर हरी प्रसाद, प्रदेश प्रवक्ता ऋचा पांडेय मिश्रा, मयूर विहार ज़िला अध्यक्ष विनोद बछेती और स्थानीय प्रभारी रणजीत कश्यप मौजूद थे। वहीं भाजपा ने अरोप लगाते हुए कहा कि कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही आम आदमी पार्टी के स्थानीय विधायक ने अपने कुछ साथियों के साथ एक गाड़ी का उद्घाटन करने के लिए ज़ोर ज़बरजस्ती की और जब स्थानीय लोग नहीं माने तो उनसे हाथापाई शुरू कर दी। नौबत यहां तक आ गई कि लोग विधायक के खिलाफ 'वापस जाओ' के नारे लगाने लगे, जिसके उपरांत विधायक को मजबूरन वापस जाना पड़ा। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ऋचा पांडेय मिश्रा ने कहा कि अगर विधायक को निगम के काम ही करने थे तो वे पार्षद का पद त्याग कर विधायक क्यों बन गए। स्थाई समिति के चेयरमैन सतपाल ने कहा आम आदमी पार्टी ओछी राजनीति से बाज नहीं आ रही है, लेकिन उनकी कार्य प्रणाली से लोगों में इतना रोष है कि आने वाले समय में जनता उन्हें सबक सिखा देगी।

दान के पैसों में हेराफेरी को लेकर सिरसा पर मुकदमा

नई दिल्ली। शिरोमणी अकाली दल दिल्ली (शिअदद) के अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना ने शुक्रवार को कहा कि दिलली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा पर गोलक के दुरुपयोग को लेकर दूसरी बार मुकदमा दर्ज हुआ है। श्री परमजीत ने गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब स्थित पार्टी कार्यालय में संवाददता सम्मेलन में कहा कि ऐसे कृत्यों का सामने आना गुरु के सिद्धांतों के साथ विश्वासघात है। जो लोग गुरु की गोलक को लूटते हैं और सिख समुदाय के लोगों (संगतों) के दान का गबन करते हैं उन पर कभी भी भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने सभी विपक्षी पार्टियों को बादल दल को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर समर्थन देने से परहेज रखने की भी सलाह दी। शिअदद के महासचिव हरविंदर सिंह सरना ने बताया कि कोरोना महामारी के समय सिरसा अपने ही कर्मचारियों और स्कूल के अध्यापकों को भूखा छोड़कर अपने प्रचार में व्यस्त रहे। गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल (जीएचपीएस) के अध्यापकों को आठ महीने से वेतन नहीं मिला है। पंजाबी बाग स्थित गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के असहाय कर्मचारियों को छह महीने से वेतन नहीं मिला है।

दक्षिणी निगम ने अतिक्रमण हटाया

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के पश्चिमी क्षेत्र के अतिक्रमण निरोधक दस्ते द्वारा राजा गार्डेन वार्ड, तिलक नगर वार्ड एवम् महावीर नगर वार्ड में कार्यवाही करते हुए अवैध अतिक्रमण को हटाते हुए चार ट्रक समान, अवैध तरीके से पार्क 2 ट्रक एवम् गड़ियों को जब्त किया और लगभग दो किलोमीटर फुटपाथ को अवैध कब्जे से मुक्त कराया।

घोटाले के खुलासे से बौखलाई आम आदमी पार्टी : हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली, 22 जनवरी **(एजेंसी)।** प्रदेश भाजपा महामंत्री हर्ष मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली जल बोर्ड में पिछले पांच वर्षों के दौरान केजरीवाल सरकार द्वारा किए गए 26,000 करोड़ रुपए के घोटाले का पर्दाफाश होने से आम आदमी पार्टी बुरी तरह बौखला गई है।

हर्ष मल्होत्रा ने आरोप लगाते हुए कहा कि केजरीवाल सरकार ने भाजपा द्वारा लगाए गए घोटाले के पोस्टर बैनर को अपने कार्यकर्ताओं और सरकारी तंत्रों द्वारा फड़वाना शुरू कर दिया है। प्रदेश भाजपा महामंत्री हर्ष मल्होत्रा ने केजरीवाल सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि

'घोटाले के पोस्टरों, बैनरों को अपने कार्यकर्ताओं और सरकारी तंत्र से हटवा रही आम आदमी पार्टी'

शहरी विकास मंत्री और जल बोर्ड के चेयरमैन सत्येन्द्र जैन ने आप मुखिया के साथ मिलकर 26,000 करोड़ रुपए का घोटाला किया है। जब सबूतों के साथ इसका खुलासा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने प्रेसवार्ता में दिखाया तो पूरी आम आदमी पार्टी इस काम में जुट गई कि इसकी सच्चाई जनता तक न पहुंचने पाए। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि केजरीवाल सरकार दिल्ली की जनता के टेक्स पेयर का पैसा हमेशा से हड़पने का काम करती रही है, लेकिन जब इसका खुलासा होता है तो आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता और केजरीवाल सरकार अपने सरकारी तंत्र के माध्य से सच्चाई जनता तक न पहुंचने देने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाने लगती है।

महापौर ने दिव्यांगजनों को वितरित किए प्रमाण पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। 72वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर समावेशी दिव्यांगजन उद्यमी संघ द्वारा आयोजित उद्यमी दिव्यांग आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने दिव्यांगजनों को प्रमाण पत्र वितरित किए। इस अवसर पर सांसद डॉ सत्यपाल सिंह व हंसराज हंस भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 150 दिव्यांग जनों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंतर्गत अतिथिगणों ने दिव्यांगजन अंतर्वेशन केंद्र का ऑनलाइन शुभारंभ, ईडीपी प्रतिभागियों को सीड

फंडिंग और प्रमाण पत्र वितरित किए इसके साथ ही दिव्यांगों के स्वरोजगार कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर महापौर जयप्रकाश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार समाज के हर वर्ग के लोगों के लिए कार्य कर रही है। लोगों को रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के प्रधानमंत्री स्व रोजगार योजना के माध्यम से हज़ार नौजवानों को रोज़गार के नए अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर प्रमुख लोगों और दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर स्व:निधि कार्यक्रम के अंतर्गत एक गुल्लक भी भेंट की गई जिसमें से एक गुल्लक उन्हें भी भेंट की गई थी। उन्होंने बताया कि इस गुल्लक के भर जाने पर इस निधि को दिव्यांगजनों के जन कल्याण में लगाया जाएगा।

सफाई कर्मचारियों का दो माह का बकाया वेतन किया जारी

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने सफाई कर्मचारियों का नवंबर और दिसंबर माह तक का वेतन जारी कर दिया है। उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने बताया कि निगम में कार्यरत नर्सों, शिक्षकों और सी व डी श्रेणी के कर्मचारियों के वेतन की व्यवस्था भी कर दी गई है और जल्द ही जारी कर दिया जाएगा। इसके साथ ही ए व बी श्रेणी के कर्मचारियों का वेतन भी जल्द जारी कर दिया जाएगा। महापौर जय प्रकाश ने सभी कर्मचारियों से अपनी हड़ताल खत्म कर कार्य पर वापस लौटने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि निगम अपने संसाधनों से कर्मचारियों को समय से वेतन देना का हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार से निगम कर्मचारियों के वेतन के लिए जो 938 करोड़ रुपए आने थे वो भी अभी तक नहीं आए है।

दिल्ली पुलिस का सिपाही बताकर विदेशी नागरिक से लूट लिए 23 लाख

नई दिल्ली, 22 जनवरी **(एजेंसी)।** दिल्ली कैंट इलाके में बुधवार शाम दिल्ली पुलिस का सिपाही बताकर पहले चलती कार को जांच के बहाने रूकवाया। जब गाड़ी रूक गई तो दो युवकों ने खुद को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा में तैनात बताकर आईडी दिखाई और फिर विदेशी नागरिक से 23 लाख रुपए लूट कर फरार हो गए।

आरोपियों के जाने के बाद पीड़ित ने मामले की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची दिल्ली कैंट थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत लेकर संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। फिलहाल पुलिस के पास आरोपियों का कोई सुराग नहीं हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित अली तालीब अपने

परिवार के साथ मौसूल इराक में रहता है। अली तालीब 20 जनवरी अपना

इलाज कराने के लिए भारत आया था इराकी नागरिक

लिवर ट्रांसप्लांट करवाने के लिए भारत आया था। वह द्वारका सैक्टर-7 के एक होटल में रूका था। बुधवार शाम करीब 6.30 बजे वह होटल से गुड़गांव के एम्बियनस मॉल जाने के लिए निकला था। उसने इसके लिए होटल में ही कैब बुलाई थी। कैब का चालक अमित शर्मा उसे लेकर मॉल की ओर चला। पालम फ्लाईओवर पार करने के बाद कुछ दूरी पर एक कार ने उनके साइड आकर उन्हें रुकने का इशारा किया। इशारा करने वाले ने खुद को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा में तैनात बताया और अपना आईडी कार्ड भी दिखा। जिसके बाद चालक अमित शर्मा ने गाड़ी रोकी और खुद को पुलिसकर्मी बता रहे युवकों ने उनकी गाड़ी के आगे अपनी गाड़ी लगा दी। उस गाड़ी से एक युवक निकला और उसने अली तालीब की तलाशी लेनी शुरू कर दी। युवक ने अली तालीब के पासा मौजूद 23 लाख रुपए एक बैग में रखे और उन्हें लेकर अपनी गाड़ी की ओर भाग गया। इससे पहले कोई कुझ कर पाता पैसे से भरा बैग लेकर युवक और उसका साथी गाड़ी लेकर फरार हो गए।

हार्डवेयर शॉप में आग कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली, 22 जनवरी **(एजेंसी)।** दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के पालम इलाके में शुक्रवार को एक हार्डवेयर की दुकान के बेसमेंट में आग लग गई। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग सुबह 10.48 बजे लगी। सूचना मिलते ही 11 फायर टेंडर मौके पर पहुंचे। अग्निशमन अधिकारी ने कहा, बचाव अभियान जारी है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम), इंजीत प्रताप सिंह ने कहा, मंगलवार को दुकान खोली गई थी। इसमें थिनर्स और पेंट जमा थे। हालांकि, इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। इससे पहले शुक्रवार सुबह ही आईटीओ स्थित इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स बिल्डिंग के मीटर बोर्ड में आग लग गई थी। आग बुझाने के लिए 12 फायर टेंडर भेजे गए थे।

बेटे के सामने तेज रफ्तार कलस्टर बस ने पिता को कुचला, मौत

नई दिल्ली, 22 जनवरी **(एजेंसी)।** नजफगढ़ मंडी में सफाईकर्मी का काम करने वाले अधेड़ को एक तेज रफ्तार कलस्टर बस ने उसके बेटे के सामने कुचल दिया। इससे पहले बस चालक को कोई पकड़ पाता, आरोपी वहां से फरार हो गया। बेटे ने अपने पिता को कुचलने की सूचना राहगिरों से मदद लेकर पुलिस को दी।

मौके पर पहुंची बाबा हरिदास नगर थाना पुलिस ने घायल 52 वर्षीय अनिल कुमार को अस्पताल पहुंचाया। जहां उसके डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने अनिल के बेटे अंकित के बयान पर 279/304 के तहत केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक अनिल कुमार अपने परिवार के साथ बहादुरगढ़ हरियाणा में रहता था। अनिल नजफगढ़ मंडी में सफाईकर्मी का काम करता था। बुधवार सुबह करीब 9.30 बजे अनिल मंडी में सफाई का काम कर रहा था। इसी दौरान मंडी की ओर से तेज रफ्तार कलस्टर बस आई और अनिल को कुचलकर दिया। जिस समय वारदात हुई उस समय अनिल से कुछ ही दूरी पर उसका बेटा भी खड़ा हुआ था। उसने बस चलाक को पकड़ने की कोशिश की। लेकिन बस चालक रूका और सड़क पर अनिल को देखकर वापस बस में बैठ कर फरार हो गया। अनिल के बेटे ने तुंरत राहगिरों से मदद लेकर मामले की सूचना पुलिस को दी।

सदस्यता झिलमिल वार्ड से निगम पार्षद है गीतिका पंकज लूथरा

निगम पार्षद सहित कांग्रेसी कार्यकर्ता भाजपा में शामिल

नई दिल्ली, 22 जनवरी **(एजेंसी)।** कांग्रेस की निगम पार्षद, पूर्व निगम पार्षद सहित प्रदेश कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। प्रदेश कार्यालय में एक प्रेसवार्ता के दौरान आदेश गुप्ता ने पार्टी का पटका पहनाकर कांग्रेस नेत्री व पूर्वी दिल्ली नगर निगम के झिलमिल वार्ड से निगम पार्षद गीतिका पंकज लूथरा और पूर्व निगम पार्षद कांग्रेस नेता पंकज लूथरा सहित सैकड़ों कांग्रेसी नेताओं को भाजपा में शामिल किया। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा महामंत्री हर्ष मल्होत्रा, प्रदेश मीडिया प्रभारी नवीन कुमार, शाहदरा जिला प्रभारी पंकज जैन और शाहदरा जिला अध्यक्ष रामकिशोर शर्मा उपस्थित रहे।

आदेश गुप्ता ने कहा कांग्रेस का वजूद लगभग समाप्ति की ओर

आदेश गुप्ता ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि जिस तरह से गीतिका और पंकज लूथरा ने जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी निभाई है, हमेशा लोगों के सुख-दु:ख में साथ खड़े रहे हैं और लोगों के बीच लोकप्रिय रहे हैं, उनका भाजपा में शामिल होने से संगठन को और मजबूती मिलेगी।

आज कांग्रेस का वजूद लगभग समाप्ति की ओर है। भाजपा ने हमेशा से समाज के अंतिम पायदान पर बैठे हुए व्यक्ति को भी मुख्यधारा से

जोड़ने का काम किया है। मैं गीतिका और पंकज लूथरा के साथ अन्य कांग्रेस नेता जो आज भाजपा परिवार के सदस्य हुए हैं, उन्हें बधाई देता हूं और बहुत शुभकामनाएं देता हूं। भाजपा में शामिल होने पर पंकज लूथरा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की कार्यशैली को देखते हुए, चाहे वो राम मंदिर की बात हो या धारा-370, हम उनसे बहुत प्रभावित हुए और आज हम गीतिका पंकज लूथरा के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा में शामिल हो रहे हैं। इसके लिए मैं प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता को धन्यवाद देता हूं। भाजपा में शामिल होने वालों में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव सुदर्शन दुआ, संजीव रस्तोगी, पूर्व प्रदेश कांग्रेस सचिव कमलकांत गुप्ता, कृष्णानगर कांग्रेस जिला महासचिव ललित तिसावर, दिनेश सिंघल, प्रवक्ता रामनाथ लूथरा, कांग्रेस झिलमिल मंडल के महामंत्री महेश पाल, उपाध्यक्ष लवली लूथरा, सूरज पंडित, शाहदरा जिला के कांग्रेस मीडिया प्रभारी मनीष अहूजा, शहादरा जिला महामंत्री चरनजीत खनेजा और अन्य सदस्यों में बलदेव नागपाल, सचिन नागपाल, भीम दुआ, बीट्टा सरदारजी, कल्लू पंडित, सौरव मदान, सोनू खनेजा, ब्रजेश गोयल, अशोक मदान इत्यादि ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

प्रदूषण से निपटने के लिए होगा एआई का इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए 'डिसिजन सपोर्ट सिस्टम' नाम से एक नई प्रणाली बनाई जाएगी जो आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करेगी। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए बने आयोग ने डीएसएस के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। डीएसएस वेब, जीआईएस और मल्टी मॉडल आधारित टूल्स की मदद से क्षेत्र में प्रदूषण के स्रोतों का विश्लेषण करेगा और एआई के आधार पर उसके समाधान उपलब्ध कराएगा। समाधान लागू करने के बाद प्रदूषण में कितनी कमी आई है इसका विश्लेषण करके यह तय किया जायेगा कि कौन-सा समाधान कितना प्रभावी है। डीएसएस को लागू कराने के लिए आयोग ने मौसम विभाग, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मिट्रोलॉजी, टेरी, आईआईटी दिल्ली, एनईईआरआई और सी-डैक पुणे को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी हैं। प्रदूषण के स्रोतों के बारे में पता लगाने के लिए केमिकल ट्रांसपोर्ट मॉडल का उपयोग किया जाएगा अर्थात् हवा में मौजूद रसायनों की मात्रा के आधार पर यह तय किया जाएगा कि किस स्रोत से कितना प्रदूषण हो रहा है।

संपादकीय

टकराव टलने की बंधती उम्मीद

सर्वोच्च न्यायालय ने नए कृषि कानूनों पर केंद्र सरकार और किसान संगठनों के बीच चल रही तकरार को सुलझाने की ठोस पहल की है। कानूनों के अमल पर फौरी तौर पर रोक लगाना और चार सदस्यों की एक समिति का गठन बताता है कि अदालत तथ्यों और तर्कों की कसौटी पर कानूनों को देखना चाहती है। टकराव के कारण बिगड़ रहे हालात को संभालने की वह मंशा रखती है, और हर हाल में शांति की बहाली की हिमायती है। ताजा फैसले से यह संदेश भी निकलता है कि केंद्र सरकार और किसान, दोनों को अदालत यह मौका दे रही है कि वे चार कृषि विशेषज्ञों की नजर से कानूनों को परखें और यदि इनमें संशोधन की दरकार है, तो उन्हें जल्द से जल्द अमल में लाएं, ताकि टकराव टाले जा सकें।

फिर भी कुछ सवाल हैं, जिनका जवाब ढूंढ़ा जाना चाहिए। खासकर कानूनों का प्रबंधकीय पक्ष काफी उलझा हुआ है। मसलन, इन कानूनों पर भला किस तरह से रोक लगाई जा सकेगी? उल्लेखनीय है कि ये कानून जून, 2020 से लागू हो चुके हैं। केंद्रीय कानून होने के कारण देश के सुदूर हिस्सों तक पर ये आयद हैं। अब कागजी तौर पर भले ही इन पर रोक लग गई है, लेकिन जमीन पर इससे जुड़ी व्यवस्था को बंद करना आखिर कैसे संभव है? इन कानूनों के लागू होने से पहले भी निजी डीलर सक्रिय रहे हैं। किसानों से वे कृषि उत्पाद खरीदते रहे हैं। नए कानूनों में सिर्फ उनकी हैसियत को स्वीकार किया गया था। इसलिए अगर इन कानूनों पर रोक लगी भी है, तो बाजार में निजी डीलर का मौजूदा तंत्र शायद ही ध्वस्त हो सकेगा। यही नहीं, किसानों द्वारा अपनी मर्जी से फसल उत्पाद बेचने की व्यवस्था भी नहीं रोकी जा सकती। अरसे से वे बाजार में निजी कारोबारियों को अपने उत्पाद बेचते रहे हैं, और सौदा न पटने पर किसी दूसरे कारोबारी के पास जाते रहे हैं। वायदा खेती भी पहले से ही जारी है। हां, नए कानूनों में यह प्रावधान किया गया था कि ऐसे किसी समझौते में कारोबारी किसानों से उनकी जमीन नहीं खरीद सकते। जाहिर है, नए कानून में किसानों के हक की ही बात थी। मगर अब इस पर भी रोक लग गई है, यानी इस नए अदालती फैसले के बाद वायदा खेती से किसानों की हैसियत में कोई सुधार नहीं हो सकेगा। देखा जाए, तो इन कानूनों को लागू करने में सरकार की कोई भूमिका थी भी नहीं। वह सिर्फ कारोबारियों और किसानों के बीच कड़ी का काम कर रही थी। मसलन, किसान यदि शिकायत करता कि वायदे के मुताबिक कारोबारी ने उसे पैसे नहीं दिए या शर्तों का उल्लंघन हुआ है, तो सरकारी संस्थाएं उस कारोबारी को वायदा खेती से जुड़ी शर्तों को मानने के लिए बाध्य करतीं। इसलिए कानूनों के मुताबिक जिन प्रावधानों के अमल का भरोसा सरकार ने दिया था, वे प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से लागू रहेंगे। तो फिर आगे होगा क्या? शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में चार जहीन लोगों की एक समिति बनाई है। भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष भूपिंदर सिंह मान, जाने-माने कृषि विशेषज्ञ और अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान के प्रमोद कुमार जोशी, कृषि अर्थशास्त्री अशोक गुलाटी और शेतकरी संगठन के अध्यक्ष अनिल घनवत इसके सदस्य हैं। ये सभी खेती-किसानी से जुड़े मुद्दों से भली-भांति परिचित हैं। अदालती फैसले के मुताबिक अब यह समिति कानूनों में मौजूद खामियों को देखेगी और यह तय करेगी कि इनमें कहां-कहां संशोधन की दरकार है। समिति के गठन से अब इन कानूनों की तमाम गड़बड़ियां सार्वजनिक हो सकेंगी और आम लोगों को भी यह पता चल सकेगा कि इनमें किस तरह के सुधार होने चाहिए। मगर इसमें एक पेच है। सरकार इस तरह की समिति के गठन की बात पहले से करती रही है, जबकि किसान संगठन इसके खिलाफ थे। इसका मतलब है कि शीर्ष अदालत ने एक तरह से सरकार का पक्ष मजबूत माना है। वह इससे सहमत दिख रही है कि गड़बड़ियों को दुरुस्त करना ही मुफीद होगा। यही बात किसान संगठनों को नागवार गुजर रही है। नतीजतन, ज्यादातर किसान संगठनों ने इस समिति के सामने न जाने का फैसला लिया है। इसका अंदेशा था भी, क्योंकि समिति के सामने जाने पर यह संदेश जाएगा कि वे इन कानूनों के पक्ष में हैं और सुधार चाहते हैं, जबकि तीनों कानूनों को खत्म करने की मांग पर वे शुरू से अड़े हुए हैं।

समिति के सामने यदि किसान संगठन नहीं पहुंचे, तो इससे सर्वोच्च न्यायालय की छवि को धक्का लग सकता है। एकाध कृषक संगठन ने समिति पर हामी भरी है, लेकिन उनका जाना या न जाना शायद ही मायने रखेगा। इसका साफ-साफ अर्थ है कि अदालत के रास्ते इस मामले को अंजाम तक पहुंचाना दिवा-स्वप्न साबित हो सकता है। अदालत किसानों के प्रति जरूर सहानुभूति रखती दिख रही है, लेकिन समाधान देश की संसद ही निकालेगी। हां, सरकार समिति की सिफारिशों को मान सकती है, क्योंकि सरकारी संस्थान होने के नाते उसके लिए अदालत का आदेश मानना अनिवार्य है। यहां बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि विवाद की याद स्वाभाविक तौर पर हो आती है। इस विवाद को सुलझाने के लिए शीर्ष अदालत ने पहले कुछ न्यायाधीशों और जहीन लोगों की एक समिति बनाई थी, ताकि तमाम पक्षों में सहमति बन जाए। मगर जब ऐसा न हो सका, तो फिर अदालत की पीठ ने तथ्यों के आधार पर स्वयं फैसला सुनाया, जिसे सभी पक्षों ने खुले दिल से स्वीकारा। इस मामले में भी ऐसा कुछ हो सकता है। समिति की सिफारिशों पर गौर करते हुए अदालत आने वाले दिनों में कुछ इस तरह का फैसला दे सकती है, जो इस विवाद को सुलझाने में मील का पत्थर साबित हो। फिलहाल हमें उसी दिन का इंतजार करना चाहिए।

प्रवीण कुमार सिंह

अर्थव्यवस्था की सेहत में सुधार के आसार, अगले वित्त वर्ष में विकास की संभावनाएं अच्छी

अर्थव्यवस्था की सेहत का एक द्योतक शेयर बाजार होता है, जो नवंबर के शुरू से उछाल पर है। मात्र 44 ट्रेडिंग सेशन में बीएसई सूचकांक 8,400 प्वाइंट बढ़कर पांच दिसंबर को 48,176 की रिकार्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। अगले वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी विकास दर की जो संभावनाएं विभिन्न वित्तीय संस्थाओं और रेटिंग एजेंसियों द्वारा अनुमानित हैं, वे 5.4 से 13 प्रतिशत तक की हैं। इन अनुमानों से स्पष्ट है कि विकास की संभावनाएं अच्छी हैं, बशर्ते कोविड महामारी अगले कुछ महीनों में काबू में आ जाए, साथ ही इसका और कोई नया रूप संकट नहीं पैदा करे और देश में कृषि की पैदावार अच्छी रहे जैसे वर्तमान वित्त वर्ष में।

विश्व की अर्थव्यवस्था के लिए बीता वर्ष ऐतिहासिक रूप से कठिनाइयों से भरा रहा। कोविड-19 का जन्मदाता और उसे सारी दुनिया में फैलाने वाला चीन तो उससे मुक्त हो चला है तथा उसकी अर्थव्यवस्था तेजी से विकास पथ पर अग्रसर है, किंतु अधिकांश विकासशील और अविकसित देशों की अर्थव्यवस्था पटरी पर नहीं लौटी है। भारत ने समय रहते लॉकडाउन लगा कर स्थिति को नियंत्रण से बाहर होने नहीं दिया, फिर भी अर्थव्यवस्था को भारी क्षति पहुंची। वर्तमान वित्त वर्ष में जीडीपी का विकास दर शून्य से नीचे यानी माइनस 7.5 प्रतिशत होने का अनुमान है, जो पिछले छह दशकों का सबसे कम है।

मार्च से सितंबर तक आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं को छोड़कर बाकी चीजों का उत्पादन एवं व्यवसाय नहीं के बराबर रह गया था। बेरोजगारी चरम सीमा पर पहुंच गई थी, करोड़ों लोग औद्योगिक शहरों को छोड़कर गावों की ओर पलायन के लिए मजबूर हो गए थे। केंद्र सरकार ने कुल 29 लाख करोड़ रुपये से अधिक के राहत पैकेज दिए, अर्थव्यवस्था अब विकासोन्मुख है। मोबाइल, वाशिंग मशीन, रेफ्रीजरेटर, एसी, टीवी, दो पहिया वाहन और कार, कंप्यूटर व लैपटॉप, लक्जरी फ्लैट जैसी चीजों की मांग में तेजी आ रही है, जो इस बात का द्योतक है कि विकास गति पकड़ रहा है, हालांकि अर्थव्यवस्था के बहुत से क्षेत्र मंदी से अभी उबर नहीं पाए हैं। टूरिज्म, हवाई यातायात और होटल व्यवसाय आदि अभी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों और मास्क समेत शारीरिक दूरी व अन्य सावधानियों को बरतने के कारण बाधित हैं।

इस बीच कामकाज की व्यवस्था में भारी बदलाव आया है। कार्यालय की जगह लोग घरों से काम कर रहे हैं। नई नौकरियां बहुत कम आ रही हैं। हालांकि अधिकांश मजदूर अब

शहरों में लौट तो आए हैं, किंतु रोजगार के अवसर पहले से कम हैं। एशियन डेवलपमेंट बैंक और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की एक संयुक्त रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 15-27 आयु वर्ग की उम्र के लोगों के लिए अल्प एवं दीर्घकाल तक आर्थिक व सामाजिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

सप्लाई चेन अभी भी पूरी तरह बाधा मुक्त नहीं हुई है। ऐसे में किसानों का आंदोलन आग में घी का काम कर रहा है। एक अनुमान के अनुसार इसके कारण अब तक 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान किसानों को और देश को हो चुका है। महंगाई की दर 6.8 प्रतिशत है, जो छह प्रतिशत की सुरक्षा सीमा पार कर चुकी है, जिस कारण रिजर्व बैंक रेपो एवं रिजर्व रेपो रेट में परिवर्तन नहीं कर रहा है, क्योंकि यह मुद्रा स्फीती को बढ़ावा दे सकता है। इस कारण अर्थव्यवस्था में विरोधाभास की स्थिति पैदा हो गई है। देशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए कर्ज सस्ता होना चाहिए, किंतु यह चलन में अधिक मुद्रा लाकर महंगाई को हवा दे सकता है। रिजर्व बैंक का मानना है कि अर्थव्यवस्था में मुद्रा की कमी नहीं है, किंतु आम आदमी ऐसा नहीं मानता, स्वदेशी निवेश में बढ़त न होना भी यही संकेत देता है।

मैन्यूफैक्चरिंग विकास दर प्रशंसनीय है। पिछले तीन महीनों से इसमें रिकॉर्ड बढ़त जारी है। दिसंबर के शुरू में पीएमआइ 56.4 था। पिछले वर्ष दिसंबर में यह 53.3 था। उल्लेखनीय है कि 50 के ऊपर का पीएमआइ विकास का द्योतक होता है। मांग में वृद्धि के कारण कंपनियां स्टॉक में बढ़ोतरी कर रही हैं। अक्टूबर 2020 में दोपहिया गाड़ियों की बिक्री 2019 की इसी अवधि की अपेक्षा 18 प्रतिशत अधिक थी। त्योहारों का सीजन समाप्त होने पर कुछ वस्तुओं की मांग में थोड़ी कमी जरूर आई, जो स्वाभाविक है। विश्वव्यापी मंदी के कारण निर्यात में कमी आई है। एक्जिम बैंक का अनुमान है कि अक्टूबर-दिसंबर में कच्चे तेल को छोड़कर निर्यात में 0.3 प्रतिशत की बढ़त संभावित है। एक सर्वे के अनुसार 50 प्रतिशत कंपनियों ने मांग ऑर्डर में वृद्धि की बात की, 40 प्रतिशत ने विदेशों से ऑर्डर में बढ़ोतरी माना। ऊर्जा की मांग कारखानों में काम शुरू होने से बढ़ी है। कुछ आधारभूत उद्योगों जैसे कोयला, कच्चा तेल, गैस, बिजली उत्पादन, फर्टलाइजर, सीमेंट आदि के उत्पादन में कमी आई जो अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय रहा। ई-वे बिल जो 50 हजार से अधिक कीमत की वस्तुओं के यातायात पर अनिवार्य है उसकी संख्या जनवरी के 5.1 करोड़ से बढ़ कर अक्टूबर में 6.4 करोड़ हो गई थी।

लॉकडाउन ने डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया को तेज किया है। जीएसटी की उगाही अक्टूबर से लगातार एक लाख करोड़ रुपये के ऊपर जा रही है जो व्यापार में वृद्धि का स्पष्ट संकेत है। एफडीआइ में लगातार बढ़ोतरी हुई है, जो यह दर्शाता है कि विश्वव्यापी मंदी में भी विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विश्वास बना रहा। विदेशी आयात में इस बीच कमी हुई और चालू खाते का घाटा समाप्त हुआ। आत्मनिर्भर भारत के अभियान से चीन से आने वाली बहुत सी अनावश्यक वस्तुओं पर भी पहली बार लगाम लगा।

अर्थव्यवस्था की सेहत का एक द्योतक शेयर बाजार होता है, जो नवंबर के शुरू से उछाल पर है। मात्र 44 ट्रेडिंग सेशन में बीएसई सूचकांक 8,400 प्वाइंट बढ़कर पांच दिसंबर को 48,176 की रिकार्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। अगले वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी विकास दर की जो संभावनाएं विभिन्न वित्तीय संस्थाओं और रेटिंग एजेंसियों द्वारा अनुमानित हैं, वे 5.4 से 13 प्रतिशत तक की हैं। इन अनुमानों से स्पष्ट है कि विकास की संभावनाएं अच्छी हैं, बशर्ते कोविड महामारी अगले कुछ महीनों में काबू में आ जाए, साथ ही इसका और कोई नया रूप संकट नहीं पैदा करे और देश में कृषि की पैदावार अच्छी रहे जैसे वर्तमान वित्त वर्ष में। इस संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट भी उम्मीद जगाती है, जिसमें जिक्र किया गया है कि दीर्घ अवधि में दक्षिण एशिया क्षेत्र में भारत की अर्थव्यवस्था में स्थिरता कायम रहेगी।

अमेरिका को शर्मिंदा करने वाली घटना, सत्ता हस्तांतरण में पेश आई चुनौतियां हैं बेहद हतप्रभकारी

गत वर्ष नवंबर में संपन्न अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव कई मायनों में अप्रत्याशित रहा। कोरोना कालखंड में चुनाव होने के कारण बड़े पैमाने पर पोस्टल वोटिंग हुई। पोस्टल वोटिंग के साथ मतदान के पुराने रिकॉर्ड टूट गए। इस बंपर वोटिंग वाले चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडन अनाधिकारिक रूप से विजयी घोषित किए गए, लेकिन राष्ट्रपति और रिपब्लिकिन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप अपनी हार मानने के लिए तैयार नहीं हुए। वह चुनाव नतीजों की अनदेखी कर अपनी जीत का दावा करने लगे।

ट्रंप के रूप में 24 साल बाद कोई अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव हारा। हालांकि ट्रंप को 2016 की तुलना में ज्यादा वोट मिले, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण राज्यों में पिछड़ने के कारण वह हार गए। जो बाइडन ने मतों की संख्या के मामले में ट्रंप से बाजी मार ली, फिर भी ट्रंप अपनी जीत की रट लगाए रहे। राष्ट्रपति ट्रंप की चुनावी टीम ने तमाम कानूनी दांवपेचों का सहारा लिया, लेकिन एकाध मामलों को छोड़कर न्यायपालिका से भी उन्हें राहत नहीं मिली। इसके बाद भी वह अपनी जीत का राग अलापते रहे। इस दावे के चलते चुनाव बाद अमेरिकी समाज का विभाजन कम होने के बजाय और बढ़ता दिखा।

ध्यान रहे कि ट्रंप पर यह आरोप पहले से लग रहा था कि उन्होंने अमेरिकी समाज को बांटने का काम किया है। ये आरोप तब और मुखर हुए जब अश्वेत लोग पुलिस हिंसा के खिलाफ सड़कों पर उतरे। ऐसे आरोपों और ट्रंप के हार न मानने के बाद भी वैसा कुछ होने की उम्मीद शायद ही किसी को रही हो, जैसा छह जनवरी को कैपिटल बिल्डिंग यानी अमेरिकी संसद के समक्ष और उसके भीतर हुआ। इस दिन जब चुनाव परिणाम को औपचारिक तौर पर मान्यता देने के लिए अमेरिकी संसद के दोनों सदनों यानी प्रतिनिधि सभा और सीनेट की संयुक्त बैठक हो रही थी, तब बड़ी संख्या में ट्रंप समर्थक संसद परिसर में घुस आए। कहा जाता है कि इसके लिए ट्रंप ने उन्हें उकसाया। सच्चाई जो भी हो, ट्रंप के उग्र समर्थकों ने संसद के भीतर जमकर तोड़फोड़ की। इसके चलते अमेरिकी संसद के इस अति महत्वपूर्ण संयुक्त सत्र का कामकाज बाधित हुआ। ऐसा अमेरिका में पहले कभी नहीं हुआ।

संसद में हुई हिंसा से अमेरिका को शर्मसार होना पड़ा है। इस हिंसा में कई लोग मारे गए और तमाम घायल हुए। इस हिंसा की विश्वव्यापी आलोचना हुई। प्रधानमंत्री मोदी समेत तमाम लोकतांत्रिक देशों के नेताओं ने इसकी कटु आलोचना की और शांतिपूर्ण ढंग से सत्ता हस्तांतरण को लोकतंत्र का अनिवार्य अंग बताया। अच्छी बात यह रही कि तमाम उपद्रव के बीच उपराष्ट्रपति माइक पेंस ट्रंप के दबाव के बावजूद अपने संवैधानिक दायित्व के प्रति गंभीर रहे। यह भी अच्छा हुआ कि तमाम अराजकता के बाद संसद ने चुनाव परिणाम पर मुहर लगाई।

संसद में व्यापक हिंसा के बाद शायद ट्रंप को भी अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण के लिए हामी भरी। हालांकि वह चुनावी धांधली के अपने आरोप पर कायम रहे, लेकिन उन्होंने अपने समर्थकों से घर वापस जाने और शांति बहाल करने की अपील की। इसके बाद भी वह लांछित होने से बच नहीं सकते। आमतौर पर तीसरी दुनिया के देशों में सत्ता हस्तांतरण काफी चुनौतीपूर्ण रहता है, परंतु अमेरिका जैसे देश में ऐसा होना हैरान भी करता है और परेशान भी। यहां 1776 से लोकतंत्र न सिर्फ कायम है, बल्कि उसे वैश्विक स्तर पर एक आदर्श के तौर पर देखा जाता है। इसी कारण दुनिया के तमाम विश्वविद्यालयों में अमेरिकी संविधान पढ़ाया जाता है। अमेरिकी संविधान में चुनावी मामले परंपरा पर छोड़े गए हैं, लेकिन एक पुराने और आदर्श माने जाने वाले लोकतंत्र में यही उम्मीद की जाती है कि वहां परंपराओं का पालन करने और उनके प्रति सम्मान दर्शाने में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। अमेरिकी संसद में हुई हिंसा यही रेखांकित करती है कि अमेरिकी संविधान में अब चुनाव प्रणाली के तौर-तरीकों को अच्छी तरह स्पष्ट किया जाना चाहिए।

वैश्विक राजनीति में अमेरिका का एक खास स्थान है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका का पूरी दुनिया में वर्चस्व बढ़ा। अंतरराष्ट्रीय मामलों के साथ सिनेमा, मीडिया, खेल से लेकर वैज्ञानिक आविष्कारों में भी अमेरिका पिछले कई दशकों में सच्चे अर्थों में अग्रणी रहा है। पिछले कुछ वर्षों से चीन द्वारा अमेरिका को कई मोर्चे पर गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। स्पष्ट है कि बाइडन प्रशासन को अमेरिकी लोकतंत्र को पुष्ट करने के साथ चीन की चुनौती का भी सामना करना होगा। चूंकि अमेरिकी संसद में हुई हिंसा ने अमेरिकी समाज में व्याप्त भेदभाव के साथ ही राजनीतिक असमानताओं को भी रेखांकित किया है, इसलिए बाइडन प्रशासन की चुनौतियां और बढ़ जाती हैं।

लोकतंत्र की दृष्टि से अमेरिका जैसे सबसे सशक्त माने जाने वाले देश में सत्ता हस्तांतरण में जैसी चुनौती पेश आई वह हतप्रभ करने वाली घटना है। अमेरिका के मुकाबले भारत का लोकतंत्र अपेक्षाकृत काफी नया है, लेकिन यदि आपातकाल के छोटे से दौर को छोड़ दिया जाए तो यहां सत्ता हस्तांतरण में कहीं कोई अड़चन नहीं आई। इसी कारण भारतीय लोकतंत्र दुनिया के समक्ष एक उदाहरण पेश करता है। अब इसमें कोई संदेह नहीं कि जो बाइडन 20 जनवरी को राष्ट्रपति की कुर्सी पर बैठने जा रहे हैं, लेकिन यह साफ है कि गत दिवस की घटना ने यह स्पष्ट किया है कि उनकी चुनौतियां और बढ़ गई हैं।

अद्भुत, अविश्वसनीय

क्रिकेट यूं तो है ही अनिश्चितताओं का खेल, लेकिन टीम इंडिया ने मंगलवार को गाबा में जो कमाल दिखाया है, वह अनिश्चितता की सीमाओं को पार करके चमत्कार की श्रेणी में पहुंच गया है। 2-1 से मिली इस सीरीज विजय को जो चीज महत्वपूर्ण बनाती है, वह है टीम इंडिया की जबर्दस्त उतार-चढ़ावों से भरी यात्रा। इसी सीरीज की शुरुआत में उसको मात्र 36 रन पर ऑल आउट होने का झटका लगा था, जो खुद में एक रेकॉर्ड है। इसके बाद तो टीम इंडिया के डाई हार्ड फैंस ने भी उम्मीद छोड़ दी थी।

इस टेस्ट के बाद विराट कोहली जैसा बल्लेबाज और कप्तान भी पैटर्निटी लीव पर घर चला आया। टीम ने अगले ही मैच में शानदार वापसी की, लेकिन शारीरिक रूप से काफी नुकसान उठाने के बाद। चोटों ने अंत-अंत तक टीम का पीछा नहीं छोड़ा। घायल खिलाड़ियों की कतार तेज गेंदबाज कुलदीप सैनी के चोटिल होने के साथ अंतिम मैच में भी बढ़ती गई। इतनी चुनौतियों के साथ ब्रिस्बेन में चौथे टेस्ट मुकाबले के लिए टीम जमा हुई तो जीत या ड्रॉ से अलग पूरे मैच में 11 खिलाड़ी खड़े कर पाना भी कमाल समझा जा रहा था। पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने चुटकी ली-बंदे पूरे न हो रहे हों तो मैं चला आऊं।

जिस गाबा के मैदान पर 1988 के बाद से दुनिया की कोई टीम ऑस्ट्रेलिया को न हरा पाई हो, वहां चौथी पारी में 328 रन का टारगेट टीम इंडिया के सामने देख टेस्ट मैचों के पुराने शहंशाह सुनील गावस्कर ने चुनिंदा शब्दों में अपनी प्रतिक्रिया दी-ऑस्ट्रेलिया जीतेगा या मैच ड्रॉ होगा। लेकिन आखिरी दिन चाय के बाद का खेल शुरू हुआ तो लगा कि अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में टीम यह मैच जीतने का मन बना रही है। इसका अंदाजा यों तो रहाणे की रफ्तार से ही मिलने लगा था लेकिन खुद आउट होने के बाद बैटिंग का क्रम बदलकर उन्होंने ऋषभ पंत को मैदान में उतारा तो फिर शक की गुंजाइश ही नहीं रही।

पंत के अविजित 89 और शुभमन गिल के 91 रनों का अहम योगदान तो इस जीत में है ही, लेकिन इसकी धुरी निश्चित रूप से चेतेश्वर पुजारा बने, जिन्होंने टूटती पिच पर एक छोर पकड़कर 211 गेंदें खेलीं, जिनमें कई उनके शरीर पर लगीं। बतौर ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर और शार्दूल ठाकुर का उदय इस मैच की उपलब्धि है, पर इसकी सबसे बड़ी बात मोहम्मद सिराज के रूप में देश को तेज गेंदबाजी का एक नया सितारा हासिल होना है। नौ स्टार क्रिकेटरों की गैरमौजूदगी में देश की यूथ ब्रिगेड ने इस सीरीज में जो चमक बिखेरी है, उससे भारतीय टीम का उज्ज्वल भविष्य निखर आया है। इसके अलावा इस मैच का एक ऐतिहासिक योगदान यह माना जाएगा कि इसने टेस्ट क्रिकेट को संजीवनी दी है। दर्शकों की नई पीढ़ी ने शायद पहली बार जाना हो कि ऐसा रोमांच और नाटकीयता अन्य किसी भी खेल के लिए दूर की कौड़ी है।

हर्ड इम्युनिटी से ही समाज को कोरोना वायरस के प्रकोप से मिल सकता है निदान

जितनी ज्यादा आबादी का जितनी शीघ्रता से टीकाकरण करेंगे, उतनी ही शीघ्रता से हम हर्ड इम्युनिटी हासिल कर लेंगे। दो या इससे अधिक टीके इस मकसद को हासिल करने में ज्यादा प्रभावी साबित हो सकते हैं। खुराक की आपूर्ति के लिहाज से, एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने के लिहाज से और लोगों के बीच इसका असर दर्शाने के लिहाज से, दो या अधिक टीके किसी एक के बनिस्पत ज्यादा उपयोगी साबित होंगे। ऐसे में सूखी और रसादार की छीछालेदर से इतर हमें इन टीकों पर भरोसा करना होगा और आंख मूंद कर अपने विज्ञानियों की खोज पर विश्वास जताना होता।

आज से कुछ दशक पहले जब कैटरिंग प्रणाली बहुत प्रचलित नहीं हुई थी, तब ग्रामीण इलाकों में किसी मौके पर आयोजित महाभोज की व्यवस्था जन-सहभागिता पर आधारित होती थी। जिसे जिस कार्य में विशिष्टता हासिल होती थी, वह उसे संपन्न करने की जिम्मेदारी दी जाती थी। पूरी निष्ठा के साथ उस दायित्व का वह व्यक्ति निर्वहन करता था। ऐसे मौकों पर अधिकांश मामलों में दो तरह की सब्जियां बनती थीं- सूखी और रसादार। इसके अपने फायदे हुआ करते थे। लोगों को दो तरह के स्वाद का आनंद भी मिलता था। एक अति सुलभ मौसमी और एक दुर्लभ सब्जी का लोग लुत्फ उठा लेते थे। मंशा के प्रतिकूल ऐसे मौकों पर एक सब्जी सुस्वादु हो जाया करती थी, तो दूसरी को लोग कम तवज्जो देने लगते थे।

लिहाजा आपूर्ति असंतुलित हो जाती थी। ऐसे में उन संकटमोचकों की राय ली जाती थी, जिन्हें इन हालातों से निपटने की विशेषज्ञता हासिल होती थी। वे सलाह देते थे कि परोसने वाले अब सूखी और रसादार सब्जी की आवाज नहीं लगाएंगे, सिर्फ सब्जी-सब्जी कहेंगे। जो मांगेगा उसे उपलब्ध सब्जी ही दे देंगे। हालांकि इस तरीके से काम तो चल जाता था, लेकिन अप्रत्यक्ष छीछालेदर को कोई नहीं टाल पाता था। इतनी लंबी प्रस्तावना को जब आप कोविड-19 महामारी की शुरुआत, उसका टीका बनने और उसके बाद भारतीय संदर्भ में उठे विवाद से जोड़कर देखेंगे तो हमारी समझ ज्यादा विकसित होगी कि टीकाकरण के दौरान होने वाली

छीछालेदर से बचने के लिए हमें क्या कदम उठाने चाहिए।

भारत में भी आपात इस्तेमाल के लिए दो वैक्सीन की अनुमति मिल चुकी है। दोनों की तासीर जुदा है। एक (कोविशील्ड) आधुनिक तरीके से बनी है तो दूसरी (कोवैक्सीन) परंपरागत तरीके से बनी है। हालांकि दोनों के किफायती और कारगर होने की बातें समान हैं, लेकिन अपने-अपने स्वार्थों के चलते कौन बेहतर का सवाल तैरने लगा है। कुछ लोग तो अज्ञानतावश वैक्सीन लगवाने को ही खारिज कर रहे हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि अगर इस महामारी की वैक्सीन एक साल के भीतर आ गई तो भी उसकी प्रामाणिकता असंदिग्ध इसलिए है, क्योंकि हमारे विज्ञानियों ने दिन-रात एक करके इसे तैयार किया है।

पोलियो के वायरस का पता 1908 में लगा और दुनिया को अपंग करने पर आमादा इस वायरस की काट 1955 में खोजी गई। तब करीब आधी सदी लग गई थी इस महामारी के टीके की खोज में। जनवरी, 2020 में बीमारी के शुरू होने के साथ ही चीन ने वायरस के जेनेटिक कोड की जानकारी वैश्विक स्तर पर उपलब्ध कराई। दुनिया के विज्ञानी एकत्र हुए और शुरुआत से ही टीके के विकास पर काम शुरू हो गया। दरअसल कोविड-19 से पहले भी सार्स व मर्स कोरोना वायरस की महामारी चीन सहित कुछ देशों में आती रही है। इस वजह से उन वायरस से बचाव के लिए वैक्सीन बनाने पर काम चल रहा था। फाइजर व मॉडर्ना द्वारा तैयार कोरोना का सबसे पहले जो टीका आया है वह मैसेंजर आरएनए तकनीक पर आधारित है।

विज्ञानी इस तकनीक पर पहले से काम रहे थे। इस वजह से जब यह महामारी आई तो मैसेंजर आरएनए तकनीक से जल्द टीका बनाने में कामयाब हुए। वहीं ऑक्सफोर्ड व भारत बॉयोटेक सहित भारतीय कंपनियों व कई अन्य देशों ने पुरानी तकनीक से कम समय में टीका बनाने में कामयाबी हासिल की। टीके के विकास के साथ-साथ उसके ट्रायल की भी खास रणनीति तैयार की गई, ताकि ट्रायल में बहुत लंबा वक्त न लगे। इसके तहत पहले फेज, दूसरे फेज व और तीसरे फेज का ट्रायल एक साथ हुआ। अच्छी बात यह है कि टीके ट्रायल में कामयाब रहे। बिना किसी हिचक और बहस के वैक्सीन सभी को लगाना इसलिए भी जरूरी है कि इसी रामबाण के बूते ही हम महामारी को खत्म कर सकते हैं। वर्ष 1700 में लंदन में चेचक फैला। वहां होने वाली कुल मौतों में चेचक की हिस्सेदारी करीब 20 फीसद तक जा पहुंची। तमाम प्रयासों के बावजूद इस आपदा को रोका नहीं जा सका।

वर्ष 1976 में जब एडवर्ड जेनर ने चेचक का वैक्सीन विकसित किया और वहां इसे लगातार दिया गया तो ही 1934 में ब्रिटेन इस बीमारी से मुक्त हुआ। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 1980 में दुनिया को इस बीमारी से मुक्त घोषित किया। यही स्थिति पोलियो और खसरे जैसी बीमारियों की भी रही, जिनका निदान हम सिर्फ टीके से ही कर सके। हर्ड इम्युनिटी को आप ऐसे समझ सकते हैं कि जैसे धागों से बुने किसी जाल को आप आसानी से नहीं तोड़ सकते। बीच-बीच में उसके धागे काटने पड़ेंगे। जितनी ज्यादा जगह यह कटिंग की जाएगी, जाल उतनी शीघ्रता से बिखर जाएगा।

यही हाल टीकाकरण का है। जितनी ज्यादा आबादी का जितनी शीघ्रता से टीकाकरण करेंगे, उतनी ही शीघ्रता से हम हर्ड इम्युनिटी हासिल कर लेंगे। दो या इससे अधिक टीके इस मकसद को हासिल करने में ज्यादा प्रभावी साबित हो सकते हैं। खुराक की आपूर्ति के लिहाज से, एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने के लिहाज से और लोगों के बीच इसका असर दर्शाने के लिहाज से, दो या अधिक टीके किसी एक के बनिस्पत ज्यादा उपयोगी साबित होंगे। ऐसे में सूखी और रसादार की छीछालेदर से इतर हमें इन टीकों पर भरोसा करना होगा और आंख मूंद कर अपने विज्ञानियों की खोज पर विश्वास जताना होता।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

26 जनवरी तक फिर आएगा ठंड का एक दौर

आज से एक्टिव होगा पश्चिमी विक्षोभ

भोपाल। बार-बार बदलते मौसम के बीच शहर से ठंड लगभग गायब है, लोगों को जनवरी में तीखी धूप के बीच फरवरी और मार्च के मौसम का एहसास हो रहा है, सिर्फ सुबह और शाम के समय ही हल्की ठंड महसूस हो रही है, लेकिन आज से एक बार फिर पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव होने वाला है, जिसके चलते आने वाले चार दिनों में ठंड का एक और दौर शुरू हो सकता है, मौसम विज्ञानियों के मुताबिक 26 जनवरी तक तापमान में फिर गिरावट हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार गुजरात के ऊपर बने हवा के चक्रवात और शुक्रवार को उत्तरी इलाके में विक्षोभ के सक्रिय होने से आज शनिवार और रविवार को तापमान में बढ़ोत्तरी हो सकती है, लेकिन सोमवार से मौसम फिर बदलेगा, जिसका असर चार दिनों तक रहेगा। यानि अब जनवरी के अंतिम सप्ताह में ठंड का एक और दौर आएगा। हालांकि अभी तक राजधानी भोपाल समेत ज्यादातर शहरों में मौसम का हाल कुछ ऐसा ही है, कहीं ठंड गायब है, तो कहीं ठंड पड़ रही है। भोपाल में फिलहाल हवा का रूख उत्तर-पूर्वी होने की वजह से दिन का तापमान बढ़ रहा है। हालांकि नये ट्रेंड के मुताबिक अगले 48 घंटे में हरियाणा और पंजाब में हल्की बारिश की संभावना है, इससे पहले शुक्रवार को भी शहर का तापमान सामान्य से ज्यादा रहा, इस बीच दिन में भी तेज धूप ने लोगों को परेशान किया। जबकि आज और कल तापमान में और बढ़ोत्तरी की संभावना है।

सड़कों पर वाहन खड़े करने वाले ट्रेवल संचालकों और ऑटो डीलर्स को नोटिस थमाएगा आरटीओ

भोपाल (एजेंसी)।

राजधानी की सार्वजनिक सड़कों पर अवैध तरीके से चार पहिया वाहनों की पार्किंग कोई नई समस्या नहीं है, इस मामले में शहर के ट्रेवल्स ऐजेंसी संचालक भी पीछे नहीं हैं, लेकिन अब ऐसा करना उन्हें भारी पड़ सकता है, क्योंकि मुख्य सड़कों पर वाहन खड़े करने वाले ट्रेवल्स संचालकों को आरटीओ ने नोटिस देने की तैयारी शुरू कर दी है, विभाग के सूत्रों के मुताबिक फिलहाल आरटीओ के कर्मचारी ऐसी ऐजेंसियों की सूची तैयार करने में जुटे हैं, जिसके बाद उन्हें नोटिस दिये जाएंगे, फिर भी स्थिति नहीं सुधरी तो फिर ऐसी ट्रेवल्स ऐजेंसीयों के रजिस्ट्रेशन रद्द किये जाएंगे। दरअसल परिवहन विभाग ने साफ कर दिया है, कि ट्रेवल एजेंसी संचालकों को अपने वाहनों के पार्किंग के लिए खुद की पार्किंग बनानी होगी, अब से सड़कों पर ऐजेंसिंयों के वाहनों को पार्क नहीं किया जाएगा। इतना ही नहीं आरटीओ इसकी जद में वाहन डीलर्स को भी ला रहा है, नये नियम के तहत सड़कों पर वाहन खड़े करने वाले ऑटो डीलर्स पर भी ऐसी ही कार्रवाई की जाएगी।

एजेंसियों की सूची तैयार करने में जुटे आरटीओ के कर्मचारी

आरटीओ संजय तिवारी का इस मामले में कहना है कि, पहले हम सूची तैयार करवा रहे हैं, इसके बाद सभी को नोटिस जारी किये जाएंगे, इसके बाद भी अगर मुख्य सड़कों पर अतिक्रमण करके वाहन खड़े किए जाते हैं, तो फिर दंडात्मक कार्रवाई शुरू की जाएगी। गौरतलब है कि, शहर के लिली, टॉकीज, जहांगीराबाद, एमपी नगर, कोलार, छह नंबर स्टॉप, जे के रोड और 10 नंबर समेत दो दर्जन से ज्यादा स्थानों पर ट्रेवल्स संचालकों और ऑटो डीलर्स द्वारा अपने वाहन सड़कों पर अतिक्रमण करके खड़े किये जाते हैं। आरटीओ के पास करीब 70 ट्रेवल एजेंसियां रजिस्टर्ड हैं, जबकि ज्यादातर ऑटो डीलर्स ने अपना रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है, लिहाजा अब विभाग इन सभी पर एक साथ शिकंजा कसने की तैयारी कर रहा है।

सूत्रों के मुताबिक 70 में से करीब 40 से ज्यादा ट्रेवल एजेंसियों पर इस मामले में कार्रवाई हो सकती है। आरटीओ का कहना है कि, विभाग के पास कई बार इस तरह की शिकायतें आ चुकी हैं, कि कुछ संचालकों द्वारा वाहन खड़े करके मुख्य सड़क पर अतिक्रमण कर लिया जाता है, जिससे आम लोगों को सड़कों पर से गुजरने में खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लिहाजा अब ऐसे संचालकों को खुद अपना पार्किंग एरिया बनाना होगा।

23,000 पंचायतों में सहायकों के लिए सुनवाई का आदेश पर्याप्त, अब नहीं होगी सेवा समाप्त

भोपाल (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश में जन कल्याण की दिशा में कदम रखते मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 23,000 ग्राम पंचायतों के रोजगार सहायकों को बड़ी राहत दी है। अब इनकी अकारण जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों द्वारा सेवा समाप्त नहीं की जाएगी। ऐसे मामले पहले कलेक्टर की जनसुनवाई में जाएंगे। अंतिम आदेश संभाग कमिश्नर करेगा। उसके बाद ही सेवा समाप्ति पर ठोस निर्णय लिया जाएगा।

बताना होगा कि मध्यप्रदेश में 2010 से ग्राम पंचायतों के स्तर पर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन करने के लिए बतौर संविदा आधार पर रोजगार सहायकों की नियुक्ति की गई थी। सरकार के रिकॉर्ड में इन्हें पंचायत सचिव के बाद सहायक सचिव का दर्जा दिया गया। एक प्रकार से जो कार्य पंचायत सचिव करता है। वही कार्य सहायकों से लिए जाते हैं। ज्यादातर मनरेगा से संबंधित योजनाओं के कार्य ग्राम रोजगार सहायकों की जिम्मेदारी पर ही टिके हुए हैं। इनके साथ सबसे बड़ा दुर्भाग्य रहा कि सरकार द्वारा की गई नियुक्ति के बाद इनकी सेवा अभी तक असुरक्षित मानी जाती थी। कोई भी शिकायत या मामूली त्रुटि होने पर बिना जांच किए जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी इनकी सीधे तौर पर सेवा समाप्त करते रहे हैं। अभी तक प्रदेश में 3000 रोजगार सहायकों की सेवाएं समाप्त हो चुकी है। जबकि जनपद अधिकारियों की प्रताड़ना के कारण आरोप है कि 500 सहायक दिवंगत हो चुके हैं। पिछले करीब 3 साल से ग्राम रोजगार सहायक इस मामले को लेकर सरकार से गुहार लगा रहे हैं। वर्ष 2018 में मौजूदा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के तीसरे कार्यकाल के दौरान यह मामला जोर-शोर से उठा था। तब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा की थी कि प्रदेश में किसी भी सहायक की सेवा समाप्त नहीं की जाएगी। इसके अगले साल जब सत्ता परिवर्तन हुआ तो इनकी मांग नहीं सुनी गई लेकिन एक साल बाद ही कमलनाथ सरकार का तख्तापलट हुआ तो ग्राम रोजगार सहायकों ने फिर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मांग शुरू की थी। तब मौजूदा पंचायत मंत्री महेंद्र सिसोदिया ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को उनकी 2018 की घोषणा याद दिलाते हुए उन्हें नोटशीट लिखी थी। इसके बाद ही यह चमत्कारिक आदेश 1 दिन पूर्व जारी हुआ है।

आरोप के अनुसार जनपद सीईओ ने अभी तक 3000 रोजगार सहायकों की सेवा कर डाली समाप्त, प्रताड़ना के कारण 2010 से अभी तक 500 ग्राम रोजगार सहायकों की हो चुकी है मौत

सेवा समाप्ति के पहले जिलों के कलेक्टरों को करना होगी सुनवाई

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव द्वारा जो आदेश जारी किया गया है। उसमें सहायकों को बड़ी राहत मिली है। इस आदेश में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि कई बार ग्राम रोजगार सहायक के द्वारा छोटी.मोटी त्रुटियां होने पर सेवा समाप्ति के अलावा अन्य प्रावधान न होने से उनकी सेवा समाप्त कर दी जाती है। जबकि होना यह चाहिए कि इसके बाद में कोई दंड दिया जाए। उक्त प्रावधान समाप्त करने के लिए ग्राम रोजगार सेवा शर्तों में उल्लेखित प्रावधान के अनुसार चेतावनी परिनिंदा नो वर्क नो पे आधार पर मानदेय कोई स्थाई रूप से रोका जा सकता है। कलेक्टर जिला कार्यक्रम समन्वयक अनुमोदन उपरांत कार्यवाही मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत करेंगे। प्रत्येक दंड कार्रवाई का रिकॉर्ड जिला पंचायत कार्यालय में रखा जाना अनिवार्य होगा। निर्देश दिए गए हैं कि पत्रों का अवलोकन करने का स्पष्ट प्रावधान करें। जिसके द्वारा ग्राम रोजगार सहायक की नियुक्ति से संबंधित दिशा.निर्देश जारी किए गए हैं। यह निर्देश भी दिए गए हैं कि संविदा सेवा समाप्ति एवं नियुक्ति से व्यथित अभ्यार्थी के लिए उपचार के प्रावधान में संशोधन करना अनिवार्य होगा। आदेश में कहा गया है कि ग्राम रोजगार सहायक की संविदा अवधि पूर्ण होने के पूर्व उसकी सेवा मुख्य कार्यपालन अधिकारी कार्यक्रम अधिकारी जनपद पंचायत के स्थान पर कलेक्टर जिला कार्यक्रम समन्वयक द्वारा नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत पर पूरा पालन करते हुए सुनवाई के पर्याप्त अवसर प्रदान कर सेवा समाप्ति की कार्यवाही की जा सकेगी। आदेश के तहत नियुक्ति बस सेवा समाप्ति से व्यथित अभ्यार्थी संभागायुक्त को 30 दिवस की अवधि में प्रथम अपील प्रस्तुत कर सकेगा। संभागायुक्त को यह अधिकार उप संभाग आयुक्त को नह दिया जा सकेगा। प्रथम अपीलीय अधिकारी के आदेश से व्यथित अभ्यर्थी द्वारा आदेश पारित होने की तिथि से 30 दिवस के अंदर द्वितीय अंतिम अपील मध्य प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के समक्ष प्रस्तुत की जा सके सकेगी। अपील का 90 दिवस की समय सीमा में निराकरण अनिवार्य रूप से किया जाएगा। यह उनका निर्णय अंतिम होगा। इस संदर्भ में ग्राम रोजगार सहायक संघ के प्रदेश अध्यक्ष रोशन सिंह परमार ने कहा कि देर ही सही लेकिन हमारे साथियों के साथ न्याय हुआ है। प्रदेश के मुख्यमंत्री ने इन गरीब कर्मचारियों और उनके परिवारों की पीड़ा को समझा है। यह ऐतिहासिक निर्णय करवाने में पंचायत मंत्री के अलावा भाजपा के वरिष्ठ विधायक रामपाल सिंह के अथक प्रयास रहे हैं। प्रदेश भर की पंचायतों का ग्राम रोजगार सहायक और उनका परिवार इन नेताओं का हमेशा आभारी रहेगा। परमार का आरोप है कि जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों ने अभी तक हमारे 3000 साथियों की सेवा समाप्त कर डाली है। इन्हीं की प्रताड़ना से हमारे सैकड़ों साथ ही मृत हो चुके हैं।

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय में रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम शुरू

भोपाल। अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय में पंचकर्म विभाग में संचालित रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम पंचकर्म टेक्नीशिन एक वर्षीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम संचालित है। विद्यार्थी पंचकर्म टेक्नीशिन पाठ्यक्रम में प्रवेश एमपीऑनलाइन के माध्यम से ले सकते हैं। यह पाठ्यक्रम आयुष विभाग द्वारा प्रमाणित है। शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिए इच्छुक छात्र-छात्राएं मप्र सह चिकित्सा परिषद अधिनियम 2001 की धारा 24 के अंतर्गत पंचकर्म विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम से संबंधित जानकारी अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय मुगालिया कोट, सूखी सेवनिया विदिशा रोड भोपाल से प्राप्त की जा सकती है। गौरतलब है कि यह रोजगारोन्मुखी कोर्स करने वाले समस्त विद्यार्थी रोजगार से जुड़ चुके हैं।

अवकाश के दिनों में भी बिजली बिल भुगतान केंद्र खुलेंगे

भोपाल । मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत 24 जनवरी (रविवार), 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) एवं 31 जनवरी (रविवार) को बिल भुगतान केंद्र सामान्य कार्य दिवसों की तरह कार्य करते रहेंगे। भोपाल शहर वृत्त के अंतर्गत चारों शहर संभाग यथा पश्चिम, पूर्व, दक्षिण तथा उत्तर संभाग के अंतर्गत सभी जोनल कार्यालय और दानिश नगर, मिसरोद, मण्डीदीप में बिल भुगतान केन्द्र उक्त छुट्टी के दिन भी सामान्य कार्य दिवस की तरह खुले रहेंगे। बिजली उपभोक्ताओं से अपील है कि वे राजधानी के जोनल आफि स में कैश काउंटरों पर बिल भुगतान और भोपाल शहर में विभिन्न स्थानों पर स्थापित एटीपी मशीन में भी बिल भुगतान कर सकते हैं। इसके अलावा बिलों के भुगतान की सुविधा एमपीऑनलाईन, कॉमन सर्विस सेन्टर, कंपनी पोर्टल, नेट बैंकिंग, क्रेडिट, डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैष कार्ड एवं वॉलेट आदि, पेटीएम एप एवं उपाय मोबाइल एप के माध्यम से बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। कंपनी ने यह भी निर्देश दिए हैं कि कंपनी कार्यक्षेत्र के सभी 16 जिलों में बिजली वितरण केन्द बिल भुगतान केन्द्र अवकाश के दिनों में खुले रहेंगे। इसके लिए सभी मैदानी महाप्रबंधकों को निर्देशित किया गया है।

सीएनजी प्लांट की रखी बुनियाद

आदमपुर छावनी में लगना है यह प्लांट, 15 महीने में होगा तैयार, रोजाना 200 टन गीले कचरे से 6 हजार किलोग्राम गैस बनाने का प्लान, 20 टन कम्पोस्ट भी बनेगा

भोपाल (एजेंसी)। शुक्रवार को आदमपुर छावनी में सीएनजी प्लांट की बुनियाद रखी गई है। आदमपुर छावनी में 200 टीपीटी बॉयो सीएनजी प्लांट लगेगा। इस प्लांट के बन जाने से नगर निगम को करीब 61 लाख रुपए हर साल रॉयल्टी के रूप में मिलेंगे। वहीं शहर से निकलने वाले कचरे का आसानी से निष्पादन होगा और इससे सीएनजी गैस भी बनाई जाएगी। नगर निगम और एनटीपीसी के साथ कचरे के निष्पादन के लिए अनुबंध होगा, जिसमें 400 टन रोजाना कचरे के निष्पादन करने की योजना है। भोपाल ग्रीन गैस प्राईवेट लिमिटेड कंपनी आदमपुर छावनी में 6 एकड़ भूमि पर 30 करोड़ की लागत से यह प्लांट 15 महीने लगाएगी और 20 वर्षों तक इसका संचालन व संधारण भी कंपनी करेगी। दरअसल आदमपुर छावनी लैण्डफिल साईट पर युनाइटेड नेशन इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट आर्गेनाईजेशन (यूनिडो) के सहयोग से पीपीपी मोड पर 200 टन रोजाना क्षमता का बॉयो सीएनजी गैस प्लांट लगाया जाएगा। इसके लिए यूनिडो ने सस्टेनेबल सिटी इंटीग्रेटेड अप्रोच पॉयलेट प्रोजेक्ट योजना के तहत भारत के कुल 5 शहरों का चयन किया है। यूनिडो ही 200 टन गीले कचरे से बॉयो सीएनजी गैस के उत्पादन प्लानिंग, निर्माण, वित्तीय व्यवस्था, संचालन करेगी। भोपाल ग्रीन गैस प्राईवेट लिमिटेड को आदमपुर छावनी में 6 एकड़ भूमि मिली है, जिस पर 30 करोड़ की लागत से यह प्लांट 15 महीने में लगाया जाएगा। कंपनी को 20 सालों के लिए यह प्लांट दिया गया है। इस अवधि में कंपनी हर साल 61 लाख रुपए रॉयल्टी के रूप में निगम को देगी। निगम अधिकारियों के मुताबित गीले कचरे से बनने वाली गैस बाजार मूल्य से 5 रुपए प्रति लीटर कम दर पर निगम को मिलेगी। जिसका उपयोग शहर की सिटी बस संचालन में किया जाएगा।

यूनिडो इस प्रोजेक्ट में 10.50 करोड़ की वित्तीय सहायता देगा। जबकि 200 टन गीले कचरे से प्रतिदिन 6 हजार 400 किलोग्राम गैस के साथ ही 20 टन कम्पोस्ट भी रोजाना बनाया जाएगा। शुक्रवार को प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा ने प्लांट के लिए भूमिपूजन किया। श्री शर्मा ने कहा कि सीएनजी प्लांट में स्थानीय लोगों को रोजगार दिया जाए। इस अवसर पर एसडीएम आकाश श्रीवास्तव, अपर आयुक्त एमपी सिंह, यूनिडो के बीआर मिश्रा, भोपाल ग्रीन गैस प्राईवेट लिमिटेड के समीर रेगे, ग्रीन रिसोर्सेस के मनीष अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मैं अमर शहीदों की चारण, उनके यश गाया करती हूं : मंत्री सुश्री ठाकुर

देशभक्तिपूर्ण कविता, स्लोगन, चित्र और रचनाओं के लिए बच्चों को पुरस्कृत किया

भोपाल । पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने राष्ट्रभक्ति के अपने जज्बे को ख्यातनाम कवि श्रीकृष्ण सरल की पंक्तियों के माध्यम से अभिव्यक्त करते हुए कहा कि मैं अमर शहीदों की चारण, उनका यश गाया करती हूं, जो कर्ज राष्ट्र ने खाया है, मैं उसे चुकाया करती हू। यह जरूरी है कि हम आने वाली पीढ़ी को देशभक्ति और राष्ट्रवाद के पाठ पढ़ायें। मंत्री सुश्री ठाकुर आज शौर्य स्मारक में स्वाधीनता संग्राम पर आधारित ऑनलाइन प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण के अवसर पर बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि हमने अपने बच्चों का क्रांतिकारियों की वीरगाथाओं से परिचय नहीं कराया है। आजादी के 70 सालों में यह हम सबकी बड़ी त्रुटि रही है। संस्कृति मंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ी का देश के सच्चे हीरो क्रांतिकारियों के बारे में जानना जरूरी है। मंत्री सुश्री ठाकुर ने कहा कि उस दौर में बलिदान जरूरी था पर आज राष्ट्र को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने के लिए हमें सन्नद्ध होना चाहिये। उन्होंने आह्वान किया कि नवयुवा पीढ़ी राष्ट्र और समाज के प्रति अपने कर्तव्य को भली प्रकार निभाने के लिए प्रतिबद्ध बने। कार्यक्रम में स्वराज संस्थान संचालनालय के संजय यादव भी मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि संस्कृति विभाग तथा स्वराज संस्थान संचालनालय द्वारा स्वाधीनता दिवस के उपलक्ष्य में युवाओं, विद्यार्थियों और बच्चों में स्वाधीनता संग्राम के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं, जिनके परिणाम शुक्रवार को घोषित किये गये।

इनको किया पुरस्कृत...

मुख्य अतिथि मंत्री सुश्री ठाकुर ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। संगीत प्रतियोगिता में पल्लवी तिवारी सिवनी को प्रथम, नाट्य लोक संस्था ग्रुप सांग में मुस्कान सोनी जबलपुर द्वितीय अंकित मालवीय तृतीय को पुरस्कृत किया गया। देशभक्तिपूर्ण कविता लेखन प्रतियोगिता में मनाली देशपांडे भोपाल, प्रज्ञा घनघोरिया ग्वालियर, श्रीयम सिंह बघेल उमरिया को क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गये। स्वाधीनता संग्राम के रणबांकुरों के चित्रों को पहचानेंश् प्रतियोगिता में विद्यालयीन स्तर पर चयनित प्रतिभागी सुधांशु जोशी झाबुआ प्रथम, तनीषा महोबा इटारसी द्वितीय तथा अर्पित चतुर्वेदी महू तृतीय स्थान पर रहे। स्वाधीनता संग्राम के रणबांकुरों के चित्रों को पहचानेंश् महाविद्यालयीन स्तर पर में सार्थक रोहतगी भोपाल, रश्मि चौहान रायसेन, फरहीन कुरैशी सिवनी को पुरस्कृत किया गया। स्वाधीनता केन्द्रित प्रेरक स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में विद्यालयीन स्तर पर शिवानी तोमर मुरैना, साहिल साहू जबलपुर तथा निकुंज राठौर इंदौर प्रथम तीन स्थानों पर रहे। स्वाधीनता केन्द्रित प्रेरक स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में महाविद्यालयीन स्तर पर कोमल चक्रवर्ती राजगढ़, आकांक्षा जैन दमोह तथा प्रांजलि तिवारी रीवा पहले तीन स्थानों पर रहे। इनके अलावा अनेक प्रतिभागियों को प्रोत्साहन पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

34 वर्षों से अग्नि सुरक्षा के लिए सेवा देने वाले साजिद को वर्ल्ड गिनीस रिकार्ड ने किया सम्मानित

भोपाल। नगर निगम भोपाल के सहायक फॉयर ऑफिसर साजिद खान को गत 34 वर्षों से लगातार अग्नि सुरक्षा एवं मानव जीवन के रक्षार्थ दी जा रही सेवाओं के लिए वर्ल्ड गिनीस रिकार्ड ने सम्मानित किया है। वर्ल्ड गिनीस रिकार्ड ने साजिद खान को दिए

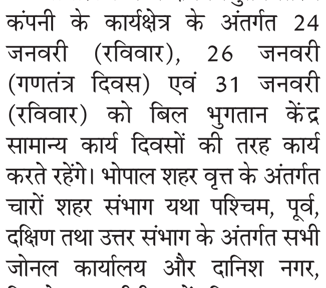

सम्मान पत्र में गत 34 वर्षों से लगातार अग्नि एवं मानव जीवन सुरक्षा के लिए समर्पित भाव से की गई सेवाओं का उल्लेख किया है साथ ही साजिद खान को अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सुरक्षा संबंधी तकनीकि ज्ञान एवं आपदा के समय प्रभावी एवं तत्परतापूर्वक कार्रवाई करने में दक्ष एवं प्रमाणिक व प्रशिक्षित फॉयरकर्मी निरूपित किया है। वर्ल्ड गिनीस रिकार्ड ने साजिद खान द्वारा 2009 में मुख्यमंत्री अवार्ड सहित 2017 में एफएसएआई लाईफ टाईम अचीवमेंट अवार्ड, 2018 में सेफ इंडिया हीरो प्लस अवार्ड सहित अन्य अवार्डों एवं छात्र जीवन में एनसीसी द्वारा प्रदाय किए गए प्रमाण पत्र आदि का उल्लेख भी किया है तथा साजिद खान द्वारा प्राप्त ऑल इंडिया इन्स्टीट्यूट लोकल सेल्फगवर्नमेंट से सब फॉयर ऑफिसर व सेनेटरी इन्सपेक्टर डिप्लोमा, डिजास्टर मेनेजमेंट इंसटीट्यूट भोपाल से रासायनिक दुघर्टनाओं में प्रबंधन प्रमाण पत्र सहित भारत सरकार एवं राज्य सरकार के विभिन्न संस्थानों द्वारा दिए गए प्रमाण पत्रों का भी विशेष उल्लेख करते हुए अपने विभाग के मजबूत छवि वाले कर्मठ, सटीक व त्वरित निर्णय लेने वाला फॉयरकर्मी भी निरूपित किया है। साजिद खान को वर्ल्ड गिनीज रिकार्ड द्वारा सम्मानित किए जाने पर सहकर्मियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

सरकार लिपिक कर्मचारियों की समस्याओं के प्रति चिंतित, धैर्य रखें : दीप्ति गौड़

मंत्रालय में कार्मिक विभाग की प्रमुख सचिव ने कर्मचारियों की बात विस्तार से सुनी

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में लिपिक वर्ग के कर्मचारियों की कूलर संरचना को लेकर शासन द्वारा गठित कमेटी में शामिल कार्मिक विभाग की प्रमुख सचिव दीप्ति गौड़ मुखर्जी ने अपनी स्थिति स्पष्ट की है। शुक्रवार को मंत्रालय पहुंचे कर्मचारी संगठनों के नेताओं से उन्होंने स्पष्ट किया कि धैर्य रखें, सरकार इन लोक सेवकों की समस्याओं के प्रति पूरी तरह गंभीर है।

दीप्ति गौड़ ने कहा है कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार इस विषय पर काम चल रहा है। इस तकनीकी समस्या का समाधान करने के लिए ही 1 दिन पहले शासन द्वारा गठित कमेटी द्वारा कर्मचारी संगठनों से चर्चा कर उनसे समस्त सुझाव मांगे गए थे। अब इन सुझावों पर बिंदुवार काम चल रहा है। कार्मिक प्रमुख सचिव से चर्चा करते हुए कर्मचारी नेता प्रमोद तिवारी ने बताया कि मध्यप्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग ने पत्र जारी कर शासन के लिपिकीय अमले की पुनर संरचना के संबंध में अनुशंसाएं देने बाबत मान्यता प्राप्त संगठन के प्रांत अध्यक्षों को दिनांक 21 जनवरी 2021 मंत्रालय में आमंत्रित किया था। बैठक में मध्य प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने भी अपनी

उपस्थिति दर्ज करते हुए कमेटी के अध्यक्ष आईसीपी केसरी अपर मुख्य सचिव नर्मदा घाटी विकास विभाग अध्यक्ष से तकनीकी शिक्षा संचालनालय में कार्यरत सहायक संचालक की वेतन विसंगति को दूर करने के संबंध में चर्चा की थी। श्री केसरी ने लिखित में आवेदन देने के लिए निर्देश दिए थे।

प्रमुख सचिव को दी जानकारी : मौके पर वरिष्ठ कर्मचारी नेता भानु तिवारी ने प्रमुख सचिव को बताया कि वित्त विभाग के आदेश 7 जून 2018 द्वारा अधीक्षक पद की ग्रेड पे 3600 के स्थान पर 42 सौ की गई है। जिसके कारण अधीक्षक एवं सहायक संचालक के पद की ग्रेड पे 4200 होने के कारण वर्तमान में वेतन विसंगति निर्मित हुई है। मध्य प्रदेश शासन के अनेक विभाग अध्यक्ष कार्यालय में छठे वेतनमान के अनुसार अधीक्षक संवर्ग से पदोन्नत सहायक संचालकों को 6500-10500 के स्थान पर 8000-13500 का वेतनमान दिया जाता है। जबकि तकनीकी शिक्षा संचालनालय में अधीक्षक संवर्ग से पदोन्नत सहायक संचालकों को 6500-10500 का ही वेतनमान दिया जा रहा है। जेल विभाग अध्यक्ष कार्यालय मैं 6500-10500 के स्थान पर 8000-13500 का वेतनमान दिया जा रहा है। संचालक उच्च शिक्षा संचालनालय कृषि विभाग संचालनालय आदिम जाति कल्याण विभाग आदि यहां यह उल्लेखनीय है कि सहायक संचालक का द्वितीय श्रेणी का पद है। ऐसी स्थिति में वेतन विसंगति को दूर करने हेतु उपरोक्त तथ्यों के आधार पर संचनालय तकनीकी शिक्षा के सहायक संचालकों का वेतनमान 6500-10500 के स्थान पर 8000-13500 किया जाना न्यायसंगत होगा । मध्य प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रांत अध्यक्ष प्रमोद तिवारी उपरांत अध्यक्ष भानु तिवारी भी भेंट के दौरान उपस्थित रहे।

शिवराज सरकार का बड़ा फैसला

प्रदेश में शराब की नई दुकान खोले जाने का आदेश निरस्त

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में शराब की नई दुकानें खोले जाने का आदेश निरस्त हो गया है। राज्य सरकार ने हाई लेवल मीटिंग के बाद यह फैसला लिया है। प्रदेश में आबकारी आयुक्त ने हर कलेक्टर से नई शराब दुकान खोले जाने को लेकर प्रस्ताव मांगे थे, जिसका विपक्ष ने भी विरोध किया था।

इसके पहले प्रदेश में शराब की नई दुकानें खोलने को लेकर सरकार की कागजों में हां थी, जबकि मौखिक रूप से सरकार इससे इंकार कर रही थी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस दिशा में फिलहाल ऐसी कोई प्लानिंग नहीं होने की बात कही थी, लेकिन अगले ही दिन आबकारी आयुक्त राजीव चंद्र दुबे ने कलेक्टरों को पत्र भेजकर नई शराब दुकानें खोलने के प्रस्ताव मांग लिए। इनमें दो टूक शब्दों में कहा गया कि पांच हजार से ज्यादा आबादी वाले उन गांवों में शराब की दुकान खोलने का प्रस्ताव अनिवार्य रूप से दिया जाए, जहां वर्तमान में कोई दुकान नहीं है, अब आबकारी आयुक्त ने इस आदेश को लेकर ने कहा था कि मैंने अपनी राय दी थी अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री को करना है।

शराब बंदी को लेकर लक्ष्मण सिंह के ट्वीट से सकते में कांग्रेस

भोपाल । गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा द्वारा प्रदेश में शराब की दुकानों की संख्या बढ़ाए जाने का कांग्रेस पार्टी द्वारा विरोध करने को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के भाई एवं कांग्रेस के चाचौड़ा विधानसभा क्षेत्र से विधायक लक्ष्मण सिंह ने अपने ट्वीट में शराब बंदी से राजस्व की हानि होने की बात कहकर कांग्रेस को सकते में ला दिया है। कांग्रेस विधायक लक्ष्मण सिंह ने अपने ट्वीट में लिखा है कि शराब बंदी से राजस्व की हानि होगी, जिसके चलते और कर्ज लेना पड़ेगा। उन्होंने इसके पीछे तर्क दिया है कि इसकी वजह से आत्मनिर्भर बनते हैं, अन्य देशों में तो यह उद्योग के रूप में देखा जाता है, जिसकी वजह से रोजगार और राजस्व दोनों मिलते हैं।

शराबबंदी पर वैचारिक विमर्श मप्र से प्रारंभ होना चाहिए : उमा

भोपाल । भाजपा की वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने शुक्रवार को कहा कि वे शराबबंदी की पक्षधर हैं और शराबबंदी संबंधी वैचारिक विमर्श मध्यप्रदेश से प्रारंभ होना चाहिए। सुश्री भारती ने यहां अपने निवास पर पत्रकारों से चर्चा में कहा कि महिलाओं पर अपराधों में कमी, दुर्घटनाओं में कमी लाना और स्वस्थ समाज की रचना सरकार की जिम्मेदारी है और यह सब शराबबंदी (नशाबंदी) के जरिए संभव है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि यह कोरोनाकाल में साबित हुआ है। सुश्री भारती ने इससे जुड़े सवालों के जवाब में स्पष्ट करते हुए कहा कि वे इस संबंध में मांग नहीं कर रही हैं, बल्कि वे चाहती हैं कि यह कार्य वैचारिक विमर्श के जरिए होना चाहिए और यह अभियान का रूप लें। उन्होंने दोहराते हुए कहा कि इसके लिए आंदोलन की जरूरत नहीं, अभियान की आवश्यकता है और अभियान, चिंतन तथा विमर्श के रूप में होता है।

मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री ने अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी को दी हरी झंडी

प्रदेश के युवाओं को अब विश्वस्तरीय शिक्षण सुविधाओं की सौगात मिलेगी

आगामी डेढ़ वर्ष में खुल जाएगा नया विश्वविद्यालय

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को विप्रो प्रमुख अजीम प्रेमजी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा की।

भोपाल (एजेंसी)।

शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव लाकर देश के युवाओं के उज्जवल भविष्य की चाह रखने वाले अजीम प्रेमजी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मंशा मध्यप्रदेश में साकार रूप लेने वाली है। दोनों के इस प्रयास से जहां प्रदेश में शिक्षा के स्तर में सुधार आएगा, वहीं इसका लाभ भी युवाओं को निश्चित ही मिलेगाा। विश्व प्रसिद्ध अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी के भोपाल में खुलने से छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए प्रदेश से बाहर नहीं जाना पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यूनिवर्सिटी शुरू होने के बाद एजुकेशनल मैप पर भोपाल सहित प्रदेश का नाम देश दुनिया में दिखाई देगा। जानकारी के अनुसार यूनिवर्सिटी बनने का काम जल्द शुरू हो जाएगा और शैक्षणिक कार्य आगामी डेढ़ साल में शुरू होगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव दोनों ने ही इस प्रोजेक्ट के लिए अपनी सहमति दे दी है। इन दोनों के प्रयास के कारण ही फाउंडेशन ने भोपाल में यूनिवर्सिटी खोलने का प्लान किया है।

आईटी कंपनी विप्रो के चेयरमैन रहे अजीम प्रेमजी का फाउंडेशन बेंगलुरु के बाद अब अपनी दूसरी यूनिवर्सिटी भोपाल के कान्हासैया में खोलने जा रहे है। सरकार ने भी यूनिवर्सिटी के लिए हरी झंडी दे दी है। मुख्यमंत्री ने शासन स्तर पर विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए समय पर हर संभव मदद देने के लिए आश्वस्त किया है। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन को 50 एकड़ जमीन 99 साल के लिए लीज पर दी गई है, जिसकी कीमत लगभग 13 करोड़ रुपए है। वर्तमान में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन मध्य प्रदेश के चार जिलों भोपाल, खरगोन, धार और सागर में मौजूद है। फाउंडेशन ने इन जिलों में जिला संस्थान स्थापित किए हैं और उपरोक्त जिलों में ब्लॉक स्तर पर 12 शिक्षक शिक्षण केंद्र भी शुरू किए हैं।

बेंगलुरु की तर्ज पर भोपाल में बनेगा विश्वविद्यालय: बेंगलुरु की तर्ज पर भोपाल में बनने जा रहा अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय में छात्रों को विश्वस्तरीय शिक्षण सुविधाएं दी जाएंगी। यहां अनुभवी शिक्षकों द्वारा रिसर्च बेस्ड पाठन सामग्री उपलब्ध होगी। छात्रों को भोपाल में अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की विशेषज्ञता वाले विषय जैसे इंग्लिश, हिस्ट्री, इकोनॉमिक्स, फिलोसॉफी में बीए, बायो मैथ्स फिजिक्स में बीएससी, बीएडए एमए(डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स एजुकेशन पब्लिक पालिसी एंड गवर्नेंस) एलएलएम में से कुछ चुनिंदा विषयों को चुनने का मौका मिलेगा।

विप्रो समूह बनेगा नॉलेज पार्टनर, सीएम शिवराज ने अजीम प्रेमजी से की चर्चा

मध्य प्रदेश सरकार विप्रो समूह को शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के स्तर पर नॉलेज पार्टनर बनाने जा रही है। प्रशिक्षण से लेकर अन्य गतिविधियों में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध कराएगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के इस प्रस्ताव को विप्रो समूह के संस्थापक अजीम प्रेमजी ने सहमति दे दी है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को विप्रो समूह के प्रमुख अजीम प्रेमजी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बात की। अजीम प्रेमजी ने बताया कि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक कार्य आगामी डेढ़ साल में शुरू करने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि शासन स्तर पर विश्वविद्यालय की स्थापना से जुड़े काम समय सीमा में पूरा किया जाएगा। विप्रो समूह भोपाल में साफ्टवेयर डेवलपमेंट सेंटर खोलेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री की प्रेमजी से शिक्षा योजनाओं, नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में सहयोगी बनने, बाल भवन में आदर्श आंगनबाड़ी की स्थापना और प्रदेश में कुपोषण उन्मूलन में सहयोगी बनने पर चर्चा हुई।

संत श्री बाबा श्री के देवलोकगमन पर शिवराज ने अर्पित की श्रद्धांजलि

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मां नर्मदा के सच्चे उपासक संत श्री श्री बाबा श्री के देवलोकगमन पर श्रद्धांजलि अर्पित की है।

श्री चौहान ने ट्वीट के जरिए कहा कि संत के देवलोकगमन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। उन्होंने संत के चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने अपना जीवन समाज को दिशा दिखाने में व्यतीत किया। उनकी शिक्षा आने वाली पीढ़ियों का उद्धार करेगी। उन्होंने ईश्वर से संत श्री को अपने चरणों में स्थान देने और उनके असंख्य अनुयायियों को इस अपार पीड़ा को सहने की क्षमता देने की प्रार्थना की है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर के अलावा अनेक मंत्रियों ने भी संत श्री के देवलोकगमन पर श्रद्धासुमन अर्पित किए हैं।

मुख्यमंत्री ने भजन गायक नरेंद्र चंचल के निधन पर जताया शोक

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकप्रिय भजन गायक नरेंद्र चंचल के निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्व. श्री चंचल ने भजन गायन की दुनिया में अलग पहचान बनाई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भजन सम्राट श्री चंचल को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनका अवसान संगीत जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ईश्वर से अपने श्री चरण में स्वर्गीय श्री चंचल की आत्मा को स्थान देने की प्रार्थना की है।

राज्य प्रशासनिक सेवा के सात अधिकारी स्थानांतरित

भोपाल । राज्य शासन ने राज्य प्रशासनिक सेवा के सात अधिकारियों को स्थानांतरित किया है। शुक्रवार को सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा तबादला सूची जारी कर दी गई है। इसमें अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर स्तर के अधिकारी प्रभावित हुए हैं। जीएडी की सूची इस प्रकार है-

अधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
1. अनिल कुमार चांदिल	अपर कलेक्टर जिला भिंड	अपर कलेक्टर दतिया
2. नरेंद्र सिंह राजावत	उप सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग(पुल)	अपर कलेक्टर जिला मंदसौर
3. नंदा भलावे कुशरे	अपर कलेक्टर जिला खंडवा	मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत खंडवा
4. प्रवीण फुलपगारे	संयुक्त कलेक्टर जिला खरगौन	अपर कलेक्टर जिला भिंड
5. शंकर लाल सिंगाडे	संयुक्त कलेक्टर जिला खंडवा	अपर कलेक्टर जिला खंडवा
6. चंद्रभूषण प्रसाद	अवर सचिव ऊर्जा विभाग	संयुक्त कलेक्टर जिला ग्वालियर (विभागीय आदेश दिनांक 11 जनवरी 2021 द्वारा संयुक्त कलेक्टर जिला दतिया किया गया स्थानांतरण निरस्त करते हुए)
7. दीपशिखा भगत	विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी सामान्य प्रशासन विभाग (पूल)	डिप्टी कलेक्टर जिला दतिया

भाप्रसे के अधिकारियों की पदोन्नति

भोपाल । राज्य शासन ने शुक्रवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की पदोन्नति कर पदस्थापना की है। इन अधिकारियों को अब प्रमुख सचिव वेतनमान मिलेगा।सामान्य प्रशासन विभाग के जारी आदेश के अनुसार मनीष सिंह प्रमुख सचिव, नगरीय विकास एवं आवास विभाग तथा प्रबंध संचालक मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड भोपाल, राघवेंद्र कुमार सिंह, आयुक्त वाणिज्यकर इंदौर, सुखबीर सिंह प्रमुख सचिव खनिज साधन विभाग तथा प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश खनिज निगम, गुलशन बामरा प्रमुख सचिव वित्त विभाग तथा योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की पदोन्नति की गई है।

किसानों की आड़ में विरोधियों का आंदोलन : पटेल

प्रधानमंत्री से की अपील- किसी के दवाब में आए बिना जारी रखें कृषि कानून

भोपाल (एजेंसी)। किसान नेता एवं कृषि मंत्री कमल पटेल ने बातचीत से समाधान निकालने के बजाय कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग पर अड़े संगठनों को किसान संगठन मानने से ही इंकार कर दिया है, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी आग्रह किया है कि वह किसी के दवाब में आए बिना कृषि सुधार कानूनों को जारी रखें।

दिल्ली बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे किसान संगठनों से कई दौर की बातचीत के बाद भी कोई नतीजा नहीं निकल सका है। आंदोलनरत किसान संगठन केवल कृषि कानून वापसी की मांग पर अड़े हुए हैं, कृषि मंत्री एवं किसान नेता कमल पटेल ने हड़ताली संगठनों के इस अड़ियल रवैए पर हैरानी जताते हुए कहा कि दरअसल यह संगठन किसानों के हैं ही नहीं, यह वो विरोधी ताकतें हैं, जो नहीं चाहतीं कि किसानों का भला हो। कृषि मंत्री कमल पटेल ने कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टी और आप का नाम लेते हुए कहा कि इनका कोई समर्थन नहीं है, देश के किसान कृषि कानूनों के समर्थन में केंद्र सरकार के साथ हैं।

किसानों के हित में हैं कृषि कानून

कृषि मंत्री कमल पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया है कि वह किसी के दवाब में न आएं और कृषि कानूनों को जारी रखें। कृषि मंत्री कमल पटेल ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार किसानों को सम्मान निधि देने की पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की, जिसकी मांग खेती में नुकसान के बावजूद कभी किसान संगठनों ने नहीं की थी, लेकिन जब प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों को संबल दिया तो इनमें से किसी संगठन ने आगे आकर प्रधानमंत्री का धन्यवाद नहीं किया। कृषि मंत्री कमल पटेल ने कहा कि यह कैसे किसान संगठन हैं, जो किसानों का भला होते हुए भी नहीं देख पा रहे। कृषि मंत्री कमल पटेल ने एक बार फिर जोर देकर कहा कि कृषि कानून किसानों के हित में हैं और किसानों की दशा और दिशा बदलने वाले हैं।

नारी-सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता : मंत्री श्री पटेल

साइकिल चलाकर सम्मान अभियान का किया समापन

भोपाल । किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने कहा है कि नारी का सम्मान, सुरक्षा और शिक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्री पटेल ने हरदा जिले में गत दिवस सम्मान अभियान के समापन के अवसर पर आयोजित जागरूकता रैली में साइकिल भी चलाई। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने तथा आमजन को जागरूक करने के लिए सम्मान अभियान चलाया जा रहा है। विभिन्न विभागों के समन्वय से संचालित इस अभियान में विभिन्न प्रकार के आयोजन किए जा रहे हैं, जिससे महिलाएं सम्मान और सुरक्षा के साथ रह सकें। उन्होंने कहा कि भारत में नारी की पूजा की जाती है। सशक्त, समृद्ध और आत्म-निर्भर भारत के निर्माण में मातृ-शक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है। मंत्री श्री पटेल ने जागरूकता अभियान में सहयोगी रहे सभी समाजसेवी संगठनों का आभार व्यक्त किया।

कृषि मंत्री कमल पटेल ने किया रामभक्तों से आग्रह

भोपाल, (प्रसं)। किसान नेता एवं प्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल ने शुक्रवार को ट्वीट कर बताया कि उन्होंने आज अपने गृह ग्राम बारंगा स्थित निवास पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र धन संग्रह अभियान में सहयोग राशि दान कर विश्व हिंदू परिषद के मध्यभारत प्रांत संगठन मंत्री खगेंद्र भार्गव, विभाग कार्यवाह, आनंद मजमुदार, गिरजा शंकर राजपूत, जस्सी सिंह का परंपरा अनुसार स्वागत किया। किसान नेता एवं कृषि मंत्री श्री पटेल ने सभी से अपील करते हुए कहा कि मेरा सभी रामभक्तों से आग्रह है कि आप अयोध्या में बन रहे भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के लिए अपनी श्रद्धानुसार दान करें एवं पुण्य के भागी बनें।

आवास निर्माण प्रगति की सतत मॉनीटरिंग करें : डॉ. मिश्रा

गृह मंत्री ने पुलिस आवास निर्माण कार्य की समीक्षा की

भोपाल (एजेंसी)। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने पुलिस आवास निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सतत मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आवासों का निर्माण गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए। समय-समय पर निर्माण कार्य की प्रगति की आवश्यक समीक्षा कर निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें।

मंत्री डॉ. मिश्रा ने बैठक में प्रदेश स्तर पर पुलिसकर्मियों की आवास संबंधी समस्या के निराकरण के लिए और अधिक आवासों के निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिये। प्रदेश में पुलिस हाउसिंग बोर्ड द्वारा अभी 6 हजार 500 आवासों का निर्माण किया जा रहा है। बैठक में एडीजी (योजना) अनिल कुमार, एडीजी (प्रशासन) अन्वेष मंगलम, एडीजी (एसएएफ) मिलिन्द कानस्कर, एडीजी एवं ओएसडी (होम) अशोक अवस्थी और सचिव शाहिद अबसार मौजूद थे।

गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा आज करेंगे दतिया में सीमन स्टेशन का लोकार्पण

भोपाल । राज्य शासन द्वारा प्रदेश में उच्च नस्ल के दुधारू पशु बढ़ाकर प्रदेश को दुग्ध उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को प्रदेश के दूसरे सीमन स्टेशन का लोकार्पण गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने दतिया जिले के ग्राम नौनेर में करेंगे। लगभग 50 एकड़ भूमि पर स्थापित सीमन स्टेशन में गिर, साहीवाल, थारपारकर, मुर्रा नस्ल के साथ संकर जर्सी और संकर एचएफ नस्लों के सीमन उत्पादन के लिए 60 सांड रखे जाएंगे। प्रबंध संचालक राज्य पशुधन और कुक्कुट विकास निगम एचबीएस भदौरिया ने बताया कि भोपाल के बाद यह प्रदेश का दूसरा सीमन स्टेशन होगा। भोपाल केंद्र पर गाय और भैंस कुल 16 नस्लों का सीमन उत्पादन किया जा रहा है। दतिया केंद्र में सीमन प्रसंस्करण प्रयोगशाला, प्रशासकीय भवन 5 शेड, एक आइसोलेशन शेड, पशु आहार एवं भूसा भण्डार, बायोगैस संयंत्र आदि का निर्माण कराया गया है। इस केंद्र की स्थापना से सागर, चंबल और ग्वालियर संभाग के जिलों को उच्च गुणवत्ता का सीमन मिल सकेगा। अच्छी नस्ल के पशु मिलने से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी। दतिया केंद्र में अप्रैल 2021 से सीमन उत्पादन एवं प्रसंस्करण का कार्य शुरू हो जाएगा। यहां प्रतिवर्ष 5 लाख फ्रोजन सीमन डोसेज का उत्पादन होगा।

किसान आंदोलन के समर्थन में कांग्रेस आज करेगी राजभवन का घेराव

पीसीसी चीफ कमलनाथ करेंगे नेतृत्व

भोपाल (एजेंसी)। केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के विरोध में और देश में चल रहे किसान आंदोलन के समर्थन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी शनिवार को भोपाल में दोपहर 12 बजे राजभवन का घेराव करेगी। इसमें वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं सहित प्रदेश एवं जिलों से आए कांग्रेसजन शामिल होंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कांग्रेसजनों एवं आम नागरिकों से आग्रह किया कि यह घेराव किसानों के दु:ख में उनका साथ देने के लिहाज से अतिमहत्वपूर्ण है। आपकी भोपाल में उपस्थिति न केवल राज्य सरकार के अहंकार को तोड़ेगी, बल्कि दिल्ली की सीमाओं पर शहीद हो चुके 75 से अधिक किसानों को सच्ची श्रद्धांजलि भी अर्पित करेगी।

श्री नाथ ने आमजन से अपील की है कि किसानों की आवाज को कुचलने वाली सरकार के कानों तक आवाज पहुंचाने के लिए घेराव को सफल और प्रभावी बनाने के लिए शनिवार को सुबह 11 बजे भोपाल के जवाहर चौक पहुंचकर इस सरकार को बता दें कि पूरा मध्यप्रदेश किसानों के साथ और मोदी सरकार के तीनों कानूनों के विरोध में खड़ा है।

नगरीय निकाय चुनाव के लिए भाजपा और कांग्रेस में उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया शुरू

कार्यकर्ताओं से की जा रही है रायशुमारी

भोपाल (एजेंसी)। नगरीय निकाय चुनाव मार्च में होना संभावित है। चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस ने तैयारी शुरू कर दी है। दोनों ही दलों ने उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया के तहत रायशुमारी शुरू की है। कई बड़े नेताओं को दोनों दलों ने इस काम की जिम्मेदारी सौंपी है। रायशुमारी के लिए नियुक्त किए गए नेता प्रदेश के विभिन्न जिलों में पहुंचकर उम्मीदवार चयन को लेकर कार्यकर्ताओं से रायशुमारी कर रहे हैं।

इस दौरान भाजपा में उम्मीदवारों के बीच घमासान मचा हुआ है, वहीं कांग्रेस उम्मीदवार चयन में कई तरह के मापदंड अपना रही है। उपचुनाव में हार के बाद कांग्रेस जहां नगरीय निकाय चुनाव में अपने प्रदर्शन को बेहतर करना चाहती है, वहीं भाजपा उपचुनाव के प्रदर्शन को नगरीय निकाय चुनाव में ओर बेहतर करने के लिए प्रयास कर रही है। भाजपा ने अब तक नगरीय निकाय चुनाव को लेकर जिला स्तर पर तैयारियां उतनी बेहतर नहीं की है, जितनी होना चाहिए थी, लेकिन कांग्रेस ने इस मामले में बाजी मारी है। कांग्रेस ने जिला स्तर पर अपने कार्यकर्ताओं से उम्मीदवार चयन को लेकर लगभग रायशुमारी पूरी कर ली है। कई जिलों में कांग्रेस के नेताओं ने कार्यकर्ताओं से मिलकर उम्मीदवार चयन के नाम तय किए हैं। वहीं भाजपा ने अब तक बड़े शहरों के अलावा छोटे शहरों के नगरीय निकाय उम्मीदवारों के नामों की चर्चा तक नहीं की है।

भाजपा नेताओं को जीत का भरोसा: मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा नगरीय निकाय चुनाव को लेकर काफी गंभीर है। दोनों ही नेताओं ने उपचुनाव के बाद से ही प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर माहौल बनाना शुरू कर दिया था। मु यमंत्री श्री चौहान तो हर रोज लगभग कहीं न कहीं विकास कार्यों के लोकार्पण-भूमिपूजन कर रहे हैं, वहीं प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा भी संगठनात्मक कार्य आगे बढ़ा रहे हैं, लेकिन जिला स्तर के नेताओं को भाजपा सरकार होने की वजह से निकाय चुनाव में जीत का भरोसा है, इसलिए जिला स्तर पर भाजपा नेताओं ने नगरीय चुनाव की तैयारी नहीं की है, जिसकी वजह से जिला स्तर पर भाजपा का माहौल नहीं दिखाई दे रहा है।

कांग्रेस रायशुमारी के बाद करेगी सर्वे

कांग्रेस के अंदर के सूत्रों के मुताबिक नगरीय निकाय चुनाव में अपना बेहतर प्रदर्शन करने के लिए कांग्रेस उम्मीदवार चयन में काफी सख्ती बरतेगी, जिसमें सिर्फ जीतने वाले उम्मीदवार को ही टिकट दिए जाएंगे। इसके लिए कांग्रेस आलाकमान कार्यकर्ताओं से रायशुमारी के बाद भी संभावित उम्मीदवारों के नाम पर गोपनीय सर्वे भी कराएगी। इस सर्वे और रायशुमारी में जिन नामों का मिलान होगा, उन्हें ही नगरीय निकाय चुनाव में टिकट दिया जाएगा।

किसकी रणनीति होगी सफल

नगरीय निकाय चुनाव में जीत के लिए भाजपा और कांग्रेस ने अपनी-अपनी रणनीति बनाई है, लेकिन किसकी रणनीति सफल होगी, यह तो चुनाव परिणाम बताएंगे, लेकिन फिलहाल इतना जरूर है कि भाजपा को जहां सत्ता में होने का फायदा मिलेगा, वहीं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की छवि और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की मेहनत भी चुनाव परिणामों पर असर डालेगी। जबकि कांग्रेस जिला स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने में अब तक निष्क्रिय ही रही है, जिसकी वजह से नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ सकते हैं। नगरीय निकाय चुनाव के परिणाम उसके मन के मुताबिक आना मुश्किल होगा।

सलमान खान ने कहा राधे थिएटर में ही होगी रिलीज

सलमान खान को उनकी आने वाली फिल्म 'राधे' को थिएटर में रिलीज करने के लिए देश भर के थिएटर एग्जिबिटर्स एसोसिएशन द्वारा अनुरोध किया गया था क्योंकि इन सभी को लगता था कि केवल सलमान खान की फिल्म ही महामारी के कारण सिनेमाघरों को हुए आर्थिक नुकसान से उबरने में मदद कर सकती है। सलमान खान के साथ जी (जिनके पास फिल्म के राइट्स हैं) भी रिक्वेस्ट को ध्यान में रखकर राधे को सिनेमाघरों में रिलीज करने के लिए तैयार है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा*, ''क्षमा करें मुझे सभी थिएटर मालिकों को वापस जवाब देने में लंबा समय लग गया. इस समय के दौरान यह एक बड़ा निर्णय है। मैं उन वित्तीय समस्याओं को समझ सकता हूं जिनसे थिएटर मालिक गुजर रहे हैं और मैं राधे को सिनेमाघरों में रिलीज कर के उनकी मदद करना चाहूंगा। बदले में, मैं उनसे 'राधे' देखने के लिए आने वाले दर्शकों के लिए थिएटर में अत्यधिक सावधानी बरतने की उम्मीद करूंगा। कमिटमेंट ईद का था और यह इंशाल्लाह 2021 की ईद में ही रिलीज होगी। इस साल ईद पर सिनेमाघरों में राधे का आनंद लें .गॉड विलिंग .'' यह एक सर्वविदित तथ्य है कि पिछला साल लॉकडाउन और कोविड–19 के कारण बहुत से लोगों के लिए आसान नहीं रहा है खासकर सिनेमा हॉल मालिकों के लिए। इसलिए, उन्होंने सलमान खान को भारत के विभिन्न राज्यों के फिल्म प्रदर्शकों से एक आवेदन पत्र के रूप में अनुरोध करते हुए लिखा कि वे अपनी आगामी फिल्म राधे : योर मोस्ट वांटेड भाई को सिनेमाघरों में रिलीज करें क्योंकि उनकी फिल्म न केवल सिंगल स्क्रीन मालिकों के भाग्य को पुनर्जीवित करने में सक्षम होगी, बल्कि सिनेमाघरों के मालिकों और कर्मचारियों को उनके भविष्य के संदर्भ में आशा की एक किरण प्रदान करेगी, और अब सुपरस्टार ने पुष्टि कर दी है कि वह इस साल ईद पर सिनेमाघरों में अपनी फिल्म रिलीज करेंगे। उन्होंने सभी से सिनेमाघरों में जाने के दौरान आवश्यक सावधानी बरतने और अपनी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। फिल्म 'राधे' को सलमान खान की ईद रिलीज की परंपरा को ध्यान में रखते हुए रिलीज किया जाएगा क्योंकि त्योहारों के अवसर पर मेगा स्टार के प्रशंसकों के लिए यह एक इवेंट बन जाता है जब वे अपनी सुपर हिट फिल्में जैसे कि बजरंगी भाईजान, दबंग, किक, एक था टाइगर, बॉडीगार्ड इत्यादि जैसी फिल्मों के साथ उनका मनोरंजन करते है। फिल्म प्रभुदेवा द्वारा निर्देशित है जिसमें सलमान खान के साथ दिशा पटानी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी और जैकी श्रॉफ, जरीना वहाब और रणदीप हुड्डा भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'राधे' को सलमान खान, सोहेल खान और अतुल अग्निहोत्री के बैनर सलमान खान फिल्म्स, सोहेल खान प्रोडक्शंस और रील लाइफ प्रोडक्शन के तहत को–प्रोड्यूस किया गया है।

परिणीति को बार-बार आ रही है एक गाने की याद

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने लोगों से मदद की मांग की है क्योंकि एक गाना उनके दिमाग में बैठ तो गया है, लेकिन उन्हें उस गाने का नाम याद नहीं आ रहा है। परिणीति ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक ऑडियो क्लिप को शेयर किया है, जिसमें वह गाने की धुन को गुनगुनाती हुई नजर आ रही हैं। इस क्लिप के साथ उन्होंने लिखा है, ''मदद कीजिए! यह गाना मेरे दिमाग में बैठ गया है, लेकिन यह गाना है कौन सा। बस इतना पता है कि एक फीमेल सिंगर हैं, बिल्कुल नया गाना है और धुन सुकून पहुंचाने वाली है।'' अभिनय की बात करें, तो परिणीति आने वाले समय में 'संदीप और पिंकी फरार' में नजर आने वाली हैं, जिसके निर्देशक दिबाकर बनर्जी हैं। फिल्म में उनके विपरीत अर्जुन कपूर नजर आएंगे। परिणीति फिल्म 'द गर्ल ऑन द ट्रेन' का भी हिस्सा हैं। यह इसी नाम से बनी हॉलीवुड थ्रिलर फिल्म का आधिकारिक हिंदी रुपांतरण है, जो साल 2005 में जारी पाउला हॉकिन्स के उपन्यास पर आधारित है। परिणीति को फिल्म 'एनिमल' में भी रणबीर कपूर के साथ देखा जाएगा, जो संदीप रेड्डी वंगा के निर्देशन में बन रही है।

सीरीज तांडव के
कंटेंट पर भड़की कंगना रनौत

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने सोमवार को अली अब्बास जफर की विवादास्पद नई सीरीज तांडव की आलोचना की, जिसमें सैफ अली खान ने अभिनय किया। कंगना ने सिरीज को 'हिंदू फोबिक, एट्रोसियस और ऑब्जेक्शनेबल करार दिया। कंगना रनौत ने एक ट्वीट को रिट्वीट करते हुए लिखा, ''समस्या सिर्फ हिंदू फोबिक कॉन्टेंट की नहीं है, बल्कि यह रचनात्मक रूप से खराब है। हर लेवल पर आपत्तिजनक है, इसलिए जानबूझकर विवादस्पद सीन रखे गए हैं। उन्हें न सिर्फ आपराधिक इरादों के लिए बल्कि दर्शकों को टॉर्चर करने के लिए जेल में डाल देना चाहिए।'' इसी बीच, निर्माता अब्बास जफर ने अपनी हालिया वेब सीरीज तांडव के विवादों में घिर जाने के बाद अपने पूरी कास्ट और क्रू की ओर से माफी मांगते हुए कहा है कि उनका इरादा किसी को भी अपमानित करने या किसी भी धर्म और राजनीतिक पार्टी का अपमान करने का नहीं है।

जब हर चीज मुफ्त हो, तब आजादी होती कीमती

बॉलीवुड अभिनेत्री जूही चावला ने सोमवार को सोशल नेटवर्कि ग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप और फेसबुक का ऐसे समय पर ऐसे समय में ताना सुनाया, जब लाखों यूजर्स व्हाट्सएप को छोड़ रहे हैं और अपनी गोपनीयता बनाए रखने के लिए अन्य चैटिंग प्लेटफॉर्म का विकल्प चुन रहे हैं। सोशल नेटवर्कि ग प्लेटफार्मो पर कटाक्ष करते हुए, जूही ने ट्विटर पर एक नोट साझा किया जिसमें लिखा था, ''जब कुछ भी मुफ्त होता है, तो उसकी कीमत आपकी स्वतंत्रता होती है।'' अभिनेत्री ने नोट के साथ लिखा, ''डेसमंड टूटू ने एक बार कहा था, जब मिशनरी अफ्रीका आए थे तो उनके पास बाइबल थी और हमारे पास भूमि थी। उन्होंने कहा, 'हमें प्रार्थना करने दो।' हमने अपनी आंखें बंद कर लीं, जब हमने उन्हें खोला, हमारे पास बाइबल थी और उनके पास भूमि थी।'' ''ठीक उसी तरह, जब सोशल नेटवर्कि ग आई, तो उनके पास व्हाट्सएप और फेसबुक थे और हमारे पास स्वतंत्रता थी। उन्होंने कहा कि यह मुफ्त है। हमने अपनी आंखें बंद कर ली, जब हमने उन्हें खोला, हमारे पास व्हाट्सएप और फेसबुक थे और उनकी हमारी स्वतंत्रता थी।'' उन्होंने कहा, ''जब कुछ भी मुफ्त होता है, तो आपकी स्वतंत्रता की कीमत होती है। क्या आप सहमत हैं?।''

यामी गौतम ने जैसलमेर में बीते लम्हों को याद किया

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम ने सोमवार को शहर में अपनी आगामी फिल्म 'भूत पुलिस' की शूटिंग के दौरान उस समय को याद किया, जब वह यहां 11 साल पहले एक टेलीविजन शो की शूटिंग शुरू की थी। यामी ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी आगामी फिल्म के सेट से खुद की एक तस्वीर शेयर की और लिखा, ''यह वह जगह है जहां 11 साल पहले मैंने बतौर अभिनेत्री अपनी करियर शुरू की थी। जैसलमेर में! मेरे परिचय दृश्य की शूटिंग की यादें अभी भी ताजा हैं, जिसके माध्यम से मैं टेलीविजन की दुनिया में उतरी थी। जिंदगी एकदम गोल है, जहां आज मैं फिर से वापस आ खड़ी हुई हूं।'' जैसलमेर हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूत पुलिस' के अंतिम शेड्यूल का स्थान है। इससे पहले, यूनिट ने मुंबई के अलावा, हिमाचल प्रदेश के स्थानों पर फिल्म की शूटिंग की। पवन कृपलानी द्वारा निर्देशित हॉरर कॉमेडी फिल्म में सैफ अली खान, जैकलीन फर्नांडीज, अर्जुन कपूर और जावेद जाफरी भी हैं।

डायना पेंटी को लगता है वह वृद्ध हो गई हैं

बॉलीवुड अभिनेत्री डायना पेंटी ने अपने बचपन के दिनों की एक पुरानी तस्वीर साझा की है और उन्हें लगता है कि वह वृद्ध हो चुकी हैं। डायना ने इंस्टाग्राम पर अपनी बचपन की तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह एक लंबे फ्रॉक में नजर आ रही है और चश्मा पहने दिखाई दे रही हैं। उन्होंने अपने हाथों में एक पैन और चम्मच लिया है। तस्वीर के कैप्शन में उन्होंने लिखा, ''बॉय, क्या मेरी उम्र हो गई है हैशटैगएफबीएफ।'' डायना को आखिरी बार 2018 की फिल्म 'हैप्पी फिर भाग जाएगी' में पर्दे पर देखा गया था, वह अब 'शिद्दत' में नजर आएंगी, जिसमें राधिका मदान और सनी कौशल भी हैं। वह अभिनेता 'सिद्धार्थ मल्होत्रा' के साथ एक रोमांटिक म्यूजिक वीडियो 'छल्लों के निशान' में भी नजर आएंगी। संगीत वीडियो बॉस्को मार्टिंस द्वारा निर्देशित है। स्टेबिन बेन द्वारा गाये गए इस गाने को सनी इंदर ने कंपोज्ड किया है और इसके बोल कुमार ने तैयार किए हैं।

सनी लियोन ने सभी को अचंभित किया

फिल्म निर्माता विक्रम भट्ट का दावा है कि वह अपनी आगामी वेब–श्रृंखला अनामिका में अभिनय और स्टंट करते हुए सनी लियोन से दंग हैं। वह कहते हैं कि सनी ने सभी को अचंभित कर दिया है। सनी इस समय भट्ट द्वारा निर्देशित एक एक्शन ड्रामा अनामिका की शूटिंग कर रही हैं। श्रृंखला में गन एफ एक्शन शामिल है, जिसमें ज्यादातर सनी द्वारा किए गए हैं। भट्ट ने कहा, ''सनी ने हम सभी को अचंभित कर दिया है। वह अपने अधिकांश एक्शन दृश्यों को खुद कर रही हैं। यह शानदार है कि यह सब स्वाभाविक रूप से स्क्रीन पर आता है। वह वास्तव में आश्वस्त है और यह खूबसूरती से सामने आया है।'' विक्रम भट्ट और कृष्णा भट्ट द्वारा लोनेरंजर के बैनर तले निर्मित 10–एपिसोड की श्रृंखला में सोनाली सयगल भी शामिल हैं। श्रृंखला वर्तमान में मुंबई में शूट की जा रही है और एमएक्स प्लेयर पर रिलीज करने के लिए तैयार है।

चलो पितृसत्ता को तोड़ें

अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस से सवाल–जवाब सत्र में हिस्सा लिया, जहां हाल ही में शादी करने वाली अभिनेत्री से पूछा गया कि क्या वह अभिनय जारी रखेंगी, जिसका जवाब देते हुए काजल ने कहा कि यह पितृसत्ता की ऐसी धारणाओं को तोड़ने का समय है। एक यूजर ने रविवार रात इंस्टाग्राम स्टोरीज पर उनके सवाल–जवाब सत्र में पूछा, क्या आप फिल्में करना जारी रखेंगी, कृपया फिल्में करना बंद न करें। जिसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा कि, ''क्यूं नहीं ये मेरा पहला प्यार है। चलो पितृसत्ता तोड़ें। यही सही समय।'' एक प्रशंसक ने उनसे नए साल के संकल्प के बारे में पूछा। उन्होंने कहा, ''घर और काम के बीच संतुलन। जीवन के हर पहलू में उन्नति।'' काजल ने साझा किया कि उनका बचपन का सपना एक एस्ट्रोनॉट बनना था और उन्हें उम्मीद है कि वह जल्द ही इसकी भूमिका निभाएंगी।

स्पोर्ट्स फिल्म का हिस्सा बनना चाहती हूं

अभिनेत्री अहाना कुमरा एक स्पोर्ट्स फिल्म में काम करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के दौरान उन्हें मिली शारीरिक फिटनेस को देखते हुए, वह इस तरह की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। आहाना ने कहा, ''डिजिटल मनोरंजन क्षेत्र में क्रांति के लिए धन्यवाद विभिन्न पात्रों और भावपूर्ण भूमिकाओं का पता लगाने के लिए यह एक अच्छा समय है। लेकिन मुझे लगता है कि हम लड़कियों को एथलीटों के चरित्रों को निभाने का मौका नहीं मिलता है। मैं एक स्पोर्ट्स फिल्म का हिस्सा बनना चाहती हूं, जिसमें मुझे शारीरिक बदलाव का मौका मिलेगा।'' अभिनेत्री जल्द ही 'कॉल माई एजेंट' में दिखाई देंगी। वह हाल ही में रोहन सिप्पी के सिटकॉम 'सैंडविचड फॉरएवर' में देखी गई थीं।

गाले में श्रीलंका और इंग्लैंड के बीच दूसरे टेस्ट मैच में जेम्स एंडरसन ने पहले ही ओवर में दो विकेट लिए।

द्रविड़ के कारण घरेलू और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के बीच का अंतर घटा : हनुमा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में हैमस्ट्रिंग की चोट के बाद भी शानदार बल्लेबाजी करने वाले बल्लेबाज हनुमा बिहारी ने पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के बीच का अंतर कम करने का श्रेय दिया है। हनुमा ने कहा, सिडनी टेस्ट के बाद मुझे राहुल सर को संदेश भेजना अच्छा लगा। उन्होंने जवाब में कहा था कि बहुत अच्छा, आपने बहुत शानदार काम किया।

भारत-ए दौरों के दौरान युवाओं को मौका देने के लिए भी हनुमा ने द्रविड़ की तारीफ की क्योंकि उन्होंने कहा कि इससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए खिलाड़ी तैयार होते हैं। उन्होंने कहा, जो खिलाड़ी वहां (भारत-ए) के थे, सिराज, सैनी, शुभमन, मयंक अग्रवाल, जो उस पक्ष का हिस्सा थे, सभी ने एक साथ काफी क्रिकेट खेला है। पिछले 3-4 साल में, हमने कई इंडिया ए टूर खेले और तब द्रविड़ ही कोच थे। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि हमने इससे पहले इतने सारे इंडिया-ए के टूर्नमेंट खेले जिससे रणजी ट्रॉफी और भारतीय टीम के बीच अंतर कम हुआ। यही कारण है कि हम अपना पहला गेम या दूसरा गेम खेल रहे हैं, लेकिन चुनौती के लिए तैयार रहे। हम किसी अन्य खिलाड़ी से पीछे नहीं हैं। राहुल सर ने इसे संभव बनाया।

विहारी ने कहा, युवाओं के रूप में हमें उन्हें काफी श्रेय देना होगा, जिस तरह से उन्होंने हमें अपना खेल खेलने दिया। जब हम उनकी निगरानी में खेलते हैं, तो हमेशा ऐसा लगता है कि वह एक कोच की तुलना में मेंटॉर की भूमिका में ज्यादा रहते हैं। वह हमेशा साथ होते हैं, जब उनकी जरूरत हो। पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी मैंने उन्हें फोन किया और कहा कि सर, मैं अपना डेब्यू कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि आप रणजी ट्रॉफी और भारत ए के लिए असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं, इसलिए आप खेलने को तैयार हैं। उन्होंने मुझे आत्मविश्वास दिया। विहारी फिलहाल अपने रिहैबिलिटेशन के लिए बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में हैं और हैमस्ट्रिंग के कारण पांच फरवरी से इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज का हिस्सा नहीं बन पाएंगे।

आरसीबी पर भड़के गौतम गंभीर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) पर निशाना साधा है। गंभीर ने आईपीएल 2021 के लिए होने वाली नीलामी से पहले ही 10 खिलाड़ियों को रिलीज किये जाने को गलत बताते हुए इसपर सवाल उठाये हैं। गंभीर ने आरसीबी के इस फैसले पर अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि हर सत्र में काफी बदलाव करना कप्तान विराट कोहली की इस टीम की सबसे बड़ी समस्या रही है। गंभीर ने कहा, आईपीएल 2021 की नीलामी से पहले 10 खिलाड़ियों को रिलीज करना उन खिलाड़ियों में असुरक्षा की भावना पैदा करना होगा जिन्हें टीम में बरकरार रखा गया है। गंभीर ने कहा, आरसीबी के साथ सबसे बड़ी समस्या हर साल होने वाले ढ़ेर सारे बदलावा हैं, यह केवल उन खिलाड़ियों के लिए भी असुरक्षा लाएगा जो कि टीम का हिस्सा हैं।

भारत की जीत में शास्त्री का भी बड़ा योगदान : इंजमाम

लाहौर, (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया में टीम इंडिया को मिली शानदार जीत के लिए मुख्य कोच कोच रवि शास्त्री को भी श्रेय दिया जाना चाहिये। इंजमान के अनुसार भारतीय टीम की जीत में शास्त्री का भी बड़ा योगदान रहा है।

इंजमाम ने कहा, एक फैक्टर जिसका लोग जिक्र नहीं कर रहे हैं, वह हैं शास्त्री। उन्होंने टीम डायरेक्टर के तौर पर शुरू किया था और मुख्य कोच बनकर वापसी की।

उनके पास जो अनुभव और खेल की समझ है मुझे लगता है उसने टीम इंडिया और खिलाड़ियों की काफी सहायता की है। हर किसी ने उनको खेलते हुए देखा है, वह भारत के लिए एक बड़े खिलाड़ी थे, एक शानदार ऑलराउंडर। वहीं इससे पहले युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भी स्वदेश पहुंचने के बाद कहा था कि एडिलेड टेस्ट में मिली हार के बाद कोच ने टीम को काफी प्रेरित किया था।

इंजमाम ने साथ ही कहा, मुझे याद है कि जब वह कमेंट्री करते थे, जिस तरह की चीजें वह बोलते थे और उनके पास जो टैलेंट को खोजने वाली आंखें हैं, उससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि उनके पास खेल की कितनी जानकारी है। मुझे लगता है कि उन्होंने टीम इंडिया की काफी मदद की है। इंजमाम ने कहा कि एडिलेड में मिली हार के बाद शास्त्री ने टीम को एकजुट रखा और टीम ने गिरने की बजाए जबर्दस्त वापसी की।

जब भी अवसर मिलेगा बेहतर बल्लेबाजी करुंगा : शार्दुल

मुंबई, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिस्बेन टेस्ट में शानदार गेंदबाजी और बल्लेबाजी कर सबका ध्यान खींचने वाले तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर ने कहा है कि वह गेंदबाजी ऑलराउंडर की भूमिका निभा सकते हैं। शार्दुल ने इस मैच में सात विकेट लेने के साथ ही पहली पारी में आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 67 रन भी बनाये थे। वहीं प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सात अर्धशतक लगाने वाले शार्दुल ने कहा, हां, मुझे गेंदबाजी ऑलराउंडर कहा जा सकता है, मेरे पास बल्लेबाजी करने की क्षमता है और यहां तक कि भविष्य में मुझे जब भी बल्लेबाजी का मौका मिलेगा तो मैं टीम के स्कोर में उपयोगी योगदान दूंगा। शार्दुल के पास ब्रिस्बेन में दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर इस प्रदर्शन को और यादगार बनाने का मौका था, लेकिन उन्हें इसे हासिल नहीं कर पाने का दुख नहीं है बल्कि अपने साथी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के लिए खुशी है, जिन्होंने इस पारी में पांच विकेट लिए। उन्होंने कहा, नहीं, मुझे दूसरी पारी में पांच विकेट हासिल नहीं करने का कोई मलाल नहीं है। अगर मैं पांच विकेट लेता तो अच्छा होता, लेकिन मुझे सिराज के लिए खुशी है और मैंने प्रार्थना की थी कि उसे पांच विकेट मिले, क्योंकि वह मुश्किल समय का सामना कर रहा था। सिराज जब टीम के साथ थे तब भारत में उनके पिता का निधन हो गया, लेकिन उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में ही रुकने का फैसला किया और स्वदेश लौटने का विकल्प मिलने के बावजूद राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने का फैसला किया। शार्दुल ने कहा, यह उसके लिए भावनात्मक सीरीज थी। हाल में उसके पिता का निधन हो गया और उसने बताया कि कैसे उसके पिता चाहते थे कि वह क्रिकेट खेले। वह भले ही इस दुनिया में मौजूद नहीं है, लेकिन वह जहां भी हैं वहां से उसे देख रहे हैं और उसे पांच विकेट हासिल करते हुए देखकर उन्हें बहुत खुशी हुई होगी। शार्दुल अपने प्रदर्शन से काफी संतुष्ट हैं और इस 29 वर्षीय क्रिकेटर ने कहा कि यह विशेष प्रदर्शन था क्योंकि यह उन्होंने मुश्किल हालात और मजबूत विरोधी के खिलाफ किया। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिसबेन में खेलना आसान नहीं होता, सभी को ब्रिसबेन में उनके रिकॉर्ड के बारे में पता है, उन्होंने 1988 से वहां कोई टेस्ट मैच नहीं गंवाया था जब तक कि हमने उन्हें नहीं हराया।

कैलीफोर्निया में पीजीए गोल्फ मुकाबले में खेलते हुए फिल मिकेलसन।

भारत दौरे के लिए इंग्लैंड टीम घोषित, स्टोक्स और आर्चर की वापसी

लंदन, (एजेंसी)। इंग्लैंड ने अगले माह होने वाले भारत दौरे के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। टीम में ऑराउंडर बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की वापसी हुई है। इंग्लैंड व वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारत के खिलाफ चार मैचों की आगामी श्रृंखला के पहले दो टेस्ट मैचों के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित की है। इंग्लैंड के चयनकताओं ने पांच फरवरी से चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होने वाले पहले और दूसरे टेस्ट के लिए छह रिजर्व खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया है। स्टोक्स और आर्चर दोनों को श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए आराम दिया गया है जबकि रोरी बर्न्स अपने बच्चे के जन्म के कारण स्वदेश में थे। टीम के कप्तान जो रूट रहेंगे। ओली पोप को भी टीम में जगह दी है हालांकि वह फिट होने पर ही टीम से जुड़ सकेंगे।

वहीं ऑल राउंडर मोईन अली भी कोरोना से उबर गये हैं और उन्हें भी टीम में शामिल किया गया है। राष्ट्रीय चयनकताओं ने जोनाथन बेयरस्टॉ, सैम कुरेन और मार्क वुड को आराम दिया है।

ईसीबी के अनुसार तेज गेंदबाजी विभाग की कमान अनुभवी जेम्स एंडरसन करेंगे जिनका साथ स्टुअर्ट ब्राड, आर्चर और क्रिस वोक्स निभायेंगे। इंग्लैंड की टीम चार्टर फ्लाइट से चेन्नई पहुंचेगी। चेन्नई के बाद टीम अहमदाबाद पहुंचेंगी। इंग्लैंड की टीम भारत के दौरे पर चार टेस्ट, पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे मैच खेलेगी।

पहले दो टेस्ट के लिए टीम इस प्रकार है: जो रूट, जोफ्रा आर्चर, मोईन अली, जेम्स एंडरसन, डॉम बेस, स्टुअर्ट ब्रॉड, रोरी बर्न्स, जोस बटलर, जैक क्राउले, बेन फोएक्स, डैन लॉरेंस, जैक लीच, बेन स्टोक्स, ओली स्टोन और क्रिस वोक्स।

स्टोक्स और आर्चर की वापसी से टीम बेहतर होगी

कोलंबो, (एजेंसी)। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने कहा है कि आगामी भारत दौरे में उनकी टीम के लिए टीम इंडिया को हराना आसान नहीं होगा। श्रीलंका दौरे पर गये रूट ने कहा, हम सीरीज जीतने के इरादे के साथ वहां जाएंगे, लेकिन वहां पहुंचने से पहले हमें काफी कड़ी मेहनत करनी होगी। इंग्लैंड ने पहले टेस्ट में श्रीलंका को सात विकेट से हराया था। श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर जैसे स्टार खिलाड़ियों को आराम दिया गया है, लेकिन उनके भारत के खिलाफ सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम में वापसी की उम्मीद है। रूट ने कहा कि इन दोनों खिलाड़ियों की टीम में वापसी से टीम को मजबूती मिलेगी।

रुट ने कहा है कि हाल में जिस प्रकार भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उसी की धरती पर हराया है उससे उसकी क्षमताओं का अंदाज लगाया जा सकता है। ऐसे में अगर उनकी टीम को जीत दर्ज करनी है तो उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। रुट ने कहा कि कप्तान विराट कोहली के अलावा कई अनुभवी खिलाड़ियों के बिना ही जिस प्रकार भारतीय भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को तीन विकेट से हराकर चार मैचों की सीरीज 2-1 से जीती उससे पता चलता है कि वह लय में आ गयी है जबकि इससे एक महीने पहले ही टीम एडिलेड टेस्ट मे अपने 36 रनों के न्यूनतम स्कोर पर आउट हो गई थी। रूट ने कहा, यह शुरूआत से लेकर अंत तक शानदार सीरीज थी, जिसमें कुछ शानदार क्रिकेट खेला गया। उन्होंने कहा, जिस प्रकार खिलाड़ियों ने प्रदर्शन किया उससे भारत के जोरदार संघर्ष, जज्बे, लचीलेपन और टीम की गहराई का पता चलता है।

इंग्लैंड के कप्तान ने कहा, एक क्रिकेट प्रशंसक के रूप में टेस्ट क्रिकेट को देखते हुए यह खेल के लिए शानदार था और जब हम भारत जाएंगे तो वह दौरा और भी अधिक रोमांचक होगा। इंग्लैंड के भारत दौरे की शुरूआत चार टेस्ट की सीरीज से होगी जो चेन्नई में पांच फरवरी से खेली जाएगी। इसके बाद पांच टी-20 इंटरनेशनल और वनडे इंटरनेशनल मैचों की सीरीज होगी। रूट ने कहा, मैं उम्मीद करता हूं कि भारतीय टीम आत्मविश्वास से भरी होगी। उनकी टीम काफी अच्छी है और उन्हें पता है कि अपनी घरेलू परिस्थितियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कैसे करता है। वहीं जीत दर्ज करने के लिए हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

टीम इंडिया में जगह बनाने पास करना होगा टाइम ट्रायल टेस्ट

मुम्बई, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटबोर्ड (बीसीसीआई) अब खिलाड़ियों की फिटनेस से जुड़ा एक नया टेस्ट लेकर आया है, जिसका नाम है टाइम ट्रायल टेस्ट। ऐसे में अब भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए सभी खिलाड़ियों को यो यो टेस्ट के साथ ही इस नये टेस्ट को भी पास करना होगा।

बीसीसीआई के अनुसार टाइम ट्रायल टेस्ट में खिलाड़ियों की गति और उनकी सहनशीलता की जांच होगी। इस टेस्ट में खिलाड़ियों को 2 किलोमीटर तक की दूरी तय करनी होगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, तेज गेंदबाजो को यह टेस्ट 8 मिनट और 15 सकेंड में पूरा करना होगा, जबकि बल्लेबाजों, स्पिन गेंदबाज और विकेटकीपर को यह टेस्ट 8 मिनट और 30 सेकेंड में पूरा करना होगा। इसे टेस्ट के आने से यो यो टेस्ट को खत्म नहीं किया जाएगा, बल्कि अब टीम इंडिया में जगह बनाने के लिए ये दोनों टेस्ट पास करने होंगे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, बोर्ड को ऐसा लगा कि फिटनेस स्तर को बेहतर करने में ये टेस्ट अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि फिटनेस स्तर को और बेहतर किया जाये। टाइम ट्रायल एक्सरसाइज हमको मुकाबला करने के लिए और बेहतर बनाएगी। बोर्ड हर साल स्टैंडर्ड को बढ़ाता रहेगा।

बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह से मंजूरी मिलने के बाद बीसीसीआई के सभी अनुबंधित खिलाड़ियों को इस नए टेस्ट और इसको पास करने के मापदड़ों के बारे में जानकारी दे दी गई है। इस टेस्ट को फरवरी, जून और अगस्त/सितंबर में रखा जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए फरवरी में होने वाले इस टेस्ट में भाग लेना जरुरी नहीं है पर सीमित ओवरों के लिए चयनित खिलाड़ियों को इस टेस्ट को पास करना होगा।

स्पेन में स्पेनिश कोपा डेल रे फुटबॉल मुकाबले में खेलती हुई बार्सलोना व कोर्नेला की टीमें।

श्रीलंकाई के दो क्रिकेटर पॉजिटिव पाये जाने के बाद पृथकवास में भेजे गये

कोलंबो, (एजेंसी)। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के दो खिलाड़ियों को कोरोना पॉजिटिव पाये जाने के बाद पृथकवास में भेज दिया गया है। टीम के तेज गेंदबाज बिनुरा फर्नान्डो और ऑलराउंडर चामिका करुणारत्ने कोविड-19 जांच में संक्रमित पाये गये हैं। ये दोनों खिलाड़ी वेस्टइंडीज दौरे के लिए चयनित 22 सदस्यीय श्रीलंकाई टीम के अभ्यास शिविर में शामिल थे। इन दोनो को ही अभ्यास शिविर से निकालकर पृथकवास में भेज दिया गया है। वहीं इसके अलावा अन्य खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को भी अलग-थलग कर दिया गया है। श्रीलंकाई टीम फरवरी के अंत में दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलने वेस्टइंडीज दौरे पर जाएगी।

श्रीलंकाई क्रिकेट ने कहा है कि खिलाड़ियों का अभ्यास शिविर हाल ही में 18 जनवरी से शुरू हुआ था। 20 जनवरी को किए गए पीसीआर टेस्ट के बाद दो खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव पाए गए। वहीं अन्य खिलाड़ियों का एक बार फिर पीसीआर टेस्ट 26 जनवरी को होगा। सभी खिलाड़ियों की रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद टीम तीन अलग-अलग समूहों में प्रशिक्षण के लिए वापस जाएगी। कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए इन दोनों खिलाड़ियों के चलते इंग्लैंड के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है क्योंकि ये दोनों खिलाड़ी बायो-बबल में शामिल नहीं थे।

25 वर्षीय गेंदबाज बिनुरा फर्नान्डो ने श्रीलंका की ओर से अब तक दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा लिया है. वहीं 24 वर्षीय ऑलराउंडर चामिका करुणारत्ने ने सिर्फ एक टेस्ट मैच खेला है। दोनों खिलाड़ी दौरे में वेस्टइंडीज दौरे पर सीमित ओवरों के मैच का हिस्सा बनने के लिए प्रशिक्षण ले रहे थे।

अंपायरों ने हमें मैच छोड़ने को कहा था : सिराज

हैदराबाद, (एजेंसी)। टीम इंडिया के युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा है कि सिडनी टेस्ट में दर्शकों की नस्लीय टिप्पणियों को देखते हुए अंपायरों ने कहा था कि अगर वे चाहें तो मैच छोड़ सकते हैं। सिराज और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से कुछ दर्शकों ने अपशब्द कहे थे और जिसकी शिकायत भारतीय टीम प्रबंधन ने मैच रैफरी डेविड बून से शिकायत की। वहीं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इस घटना के लिए माफी मांगते हुए कहा था कि दोषी लोगों पर कड़ी कार्रवाई होगी। मैच के दौरान सिरीज को कुछ दर्शकों ने ब्राउन मंकी तक कहा। सिराज ने कप्तान अजिंक्य रहाणे को यह बात बताई। रहाणे ने इसकी जानकारी मैदानी अंपायर पॉल रीफेल और पॉल विलसन को दी।

सिराज ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में हमें अपशब्दों का सामना कराना पड़ा। मामला चल रहा है और अब देखते हैं कि इंसाफ मिलता है या नहीं। मेरा काम अपने कप्तान को इसकी जानकारी देना था।इस मामले की शिकायत के बाद अंपायरों ने हमें मैच छोड़ने को कहा पर कप्तान रहाणे ने कहा कि मैच नहीं छोड़ेंगे क्योंकि इसमें हमारी गलती नहीं है। इसलिए हम खेलेंगे।

साथ ही कहा कि दर्शकों का खराब व्यवहार ने उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। इस युवा गेंदबाज ने कहा, इससे मैं मानसिक रूप से अधिक मजबूत हुआ पर मैंने खेल पर उसका असर नहीं पड़ने दिया।